श्रावण कृष्ण - 10 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 351 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 20-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल के भविष्य से समझौता कर रही हैं ममता बनर्जी : हिमंत

6 परषोत्तम कुमार: किसान के वेश में वीर योद्धा, मोर्चा संभाला और करवा दिया आतंकवादियों का खात्मा

7 भारत में बहुसंख्यक हिंदुओं के कारण अल्पसंख्यकों को पूरी स्वतंत्रता हासिल है

फर्स्ट टेक

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण शनिवार को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है।

तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटी हैदराबाद-फुकेट एआई एक्सप्रेस उड़ान

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद से फुकेट जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 110) शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद अपने मूल स्थान पर वापस लौट आई। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 सुबह 6.57 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया जिसमें 98 यात्री सवार थे। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमारा एक विमान तकनीकी समस्या के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद हैदराबाद लौट आया। चालक दल ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए विमान को वापस लेकर आने का निर्णय लिया।

अमेरिका: लॉस एंजिलिस में भीड़ में घुसा वाहन, 30 लोग घायल

लॉस एंजिलिस/एपी। अमेरिका में लॉस एंजिलिस के 'ईस्ट हॉलीवुड' में एक नाइट क्लब में प्रवेश करने के लिए इंतजार कर रहे लोगों की भीड़ में घुसे वाहन की चपेट में आने से 30 लोग घायल हो गए। लॉस एंजिलस के अग्निशमन विभाग के जन सूचना अधिकारी कैप्टन एडम वान गेरपेन के अनुसार, पीड़ितों को स्थानीय अस्पतालों और ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया। विभाग ने एक बयान में कहा कि ईस्ट हॉलीवुड में सैंटा मोनिका बुलीवर्ड में घायल होने से कम से कम तीन लोगों की हालत गंभीर है। वान गेरपेन ने एबीसी को बताया कि नाइट क्लब में प्रवेश के लिए कतारबद्ध लोगों, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं को एक वाहन ने टक्कर मार दी। गेरपेन ने बताया कि चिकित्सकों का कहना है कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। उन्होंने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उस व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

मुलाकात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य में विकास कार्यों के बारे में बात की। मुलाकात के बाद योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से आज नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट कर उनका आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हृदयतल से आभार प्रधानमंत्री जी! इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मोदी की प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की। सूत्रों के अनुसार योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों और विकास कार्यों के बारे में बातचीत की।

कोई भी ताकत भारत को निर्देश नहीं दे सकती : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोगों को किसी आख्यान से प्रभावित नहीं होना चाहिए क्योंकि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह निर्देश नहीं दे सकती कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है। धनखड़ ने कहा कि इस देश में सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि भारत आपसी सहयोग से काम करता है, परस्पर सम्मान रखता है और अन्य देशों के साथ कूटनीतिक संवाद करता है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अंततः हम संप्रभु हैं, हम अपने फैसले खुद लेते हैं।''

धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया भारत-पाकिस्तान झड़प में 'संघर्ष विराम' कराने के दावे पर सरकार से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है।

उन्होंने यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा के प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, ''बाहरी आख्यानों से निर्देशित न हों। इस देश में, एक संप्रभु राष्ट्र में, सभी निर्णय इसके नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं। दुनिया में ऐसी कोई ताकत नहीं है जो भारत को यह निर्देश दे कि उसे अपने मामलों को कैसे संभालना है।''

उपराष्ट्रपति ने क्रिकेट की शब्दावली में कहा कि हर खराब गेंद को खेलना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''क्या इस बात पर माथापच्ची करने की जरूरत है कि किसने क्या कहा? जो क्रिकेट पिच पर अच्छे रन बनाता है, वह हमेशा खराब गेंदें छोड़ता है। वे लुभाने वाली होती हैं, लेकिन कोशिश नहीं की जातीं। और जो कोशिश करते हैं, उनके लिए आपके पास विकेटकीपर और गली में किसी के दस्ताने होते हैं।''

नकारात्मक राजनीति कर रही है कांग्रेस : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/रुद्रपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर ऐसे समय में नकारात्मक राजनीति करने का शनिवार को आरोप लगाया, जब उत्तराखंड विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने साथ ही विपक्षी दल को सलाह दी कि यदि उसे अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे अपनी इस आदत से बाज आना चाहिए।

शाह ने केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकारों की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कांग्रेस के एक नेता द्वारा सोशल मीडिया पर की गई उस पोस्ट की भी आलोचना की, जिसमें केंद्रीय मंत्री से कहा गया था कि वह लोगों को यह बताए बिना वापस न लौटें कि भाजपा सरकार ने राज्य के लिए क्या किया है।

केंद्रीय मंत्री ने उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में आयोजित निवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''कांग्रेस हमेशा नकारात्मक राजनीति करती है, खासकर जब उत्तराखंड में विकास हो रहा हो। यह ऐसा है जैसे कोई दूध में नींबू निचोड़ दे, ताकि वह खट्टा हो जाए।''

शाह ने कहा, ''सभी राजनीतिक दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे अपने मतभेदों से ऊपर उठकर विकास के समर्थन में एकजुट हों। लेकिन कांग्रेस नकारात्मक राजनीति करती रहती है।'' उन्होंने कांग्रेस को प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना बंद करने की सलाह दी।

शाह ने राज्य के कांग्रेस नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा, ''हवन में हड्डियां मत डालो। यदि आप नहीं रुके, तो आपमें से जो कुछ लोग तस्वीर में बचे हैं, वे दूरबीन की मदद से भी दिखाई नहीं देंगे।'' उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी ने पद छोड़ा था, तब भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था।

रूस ने यूक्रेन पर 300 से अधिक ड्रोन से हमले किए

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार रात यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन से एक बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही, तीन साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करने के प्रयास सफल होने की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने 300 से अधिक ड्रोन से हमले किये और 30 से अधिक क्रूज मिसाइलें दागीं। शहर के मेयर हेन्नादी ट्रूखानोव ने शनिवार को 'टेलीग्राम' पर बताया कि रूसी सेना द्वारा काला सागर के तट पर स्थित ओडेसा शहर में 20 से अधिक ड्रोन और एक मिसाइल से किये गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक ऊंची आवासीय इमारत में आग लग गयी। जेलेंस्की के अनुसार, ओडेसा पर हुए हमले में एक बच्चे सहित छह अन्य लोग घायल हो गए तथा यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

स्वर्ण मंदिर को आठवीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली

अमृतसर/भाषा। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को शनिवार को स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक और ई-मेल मिला। चौदह जुलाई के बाद से यह आठवीं ऐसी धमकी है। ऐसी धमकियों के मद्देनजर पवित्र सिख तीर्थस्थल स्वर्ण मंदिर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। मंदिर के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी परिसर में गश्त कर रहे हैं। अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज ने अब तक अपराधियों की पहचान करने में केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की विफलता पर सवाल उठाये हैं। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि जांच जारी है। इस मामले में हिरासत में लिये गये एक संदिग्ध शुभम दुबे से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण में समय लगता है। उन्होंने कहा कि संदिग्धों की जल्द ही पहचान कर ली जायेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का दावा

मेरे विरोधी मुझे बम से उड़ाने की साजिश कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंगेर (बिहार)/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में एक रैली में सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि उन्हें ''तोड़ने'' की कोशिश कर रहे उनके विरोधी बम से उड़ाने की ''साजिश'' कर रहे हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने यह बयान मुंगेर जिले में दिया और अपने अलग हुए चाचा पशुपति कुमार पारस के अलावा लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा। हालांकि, उन्होंने अपने किसी भी विरोधी का नाम नहीं लिया।

हाजीपुर के सांसद ने कहा, ''कई लोग चिराग पासवान के 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' नारे से नाराज हैं, जो उनकी जातिवादी राजनीति की जड़ों पर प्रहार करता है। ऐसे लोगों ने सत्ता में रहते हुए राज्य को गरीबी और पिछड़ेपन में धकेला था और अब विधानसभा चुनाव से पहले, वे झूठे वादों से लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं।''

पासवान की टिप्पणी प्रसाद के छोटे बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को लक्षित मानी जा सकती है।

पारस द्वारा (लोजपा) में कराये गए विभाजन के परिणामस्वरूप, अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में अलग-थलग पड़ गए पासवान ने उन दिनों के बारे में भी बताया, जब उन्हें राजनीतिक वनवास में रहना पड़ा था। हालांकि, पिछले साल लोकसभा चुनावों के दौरान गठजोड़ की पेशकश के साथ भाजपा ने उन्हें अपने साथ कर लिया।

उन्होंने कहा कि चिराग पासवान के विरोधियों ने हमेशा उन्हें रोकने की कोशिश की है, उनकी पार्टी को तोड़ दिया और बाद में उन्हें उनके घर से घसीट कर बाहर निकाल दिया, उन्हें सड़कों पर अपने हाल पर छोड़ दिया, लेकिन चिराग पासवान को कुछ भी नहीं तोड़ सका।

शराब 'घोटाला' मामले में वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी गिरफ्तार

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने शनिवार को वाईएसआरसीपी के लोकसभा सदस्य पीवी मिधुन रेड्डी को पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान हुए कथित 3,200 करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार कर लिया। कथित शराब घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को मिधुन रेड्डी से कई घंटों तक पूछताछ की और इसके बाद शाम करीब 7:30 बजे विजयवाड़ा में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गृहमंत्री वांगलापुडी अनिता ने फोन पर 'पीटीआई भाषा' को बताया, हां (उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है)। उन्हें अदालत में पेश करने की प्रक्रिया चल रही है। मिधुन रेड्डी आंध्र प्रदेश में राजमपेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वाईएसआरसीपी नेता आज जांच में शामिल होने के लिए विजयवाड़ा पहुंचे और उनसे पूछताछ अन्य आरोपियों (धनुंजय रेड्डी, कृष्ण मोहन रेड्डी और बालाजी गोविंदप्पा) की गिरफ्तारी के बाद हुई।

20-07-2025 सूर्यास्त 6:49 बजे	21-07-2025 सूर्योदय 6:02 बजे
BSE 81,757.73 (-501.52)	NSE 24,968.40 (-143.05)
सोना 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 116,534 रु. प्रति किलो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया

भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

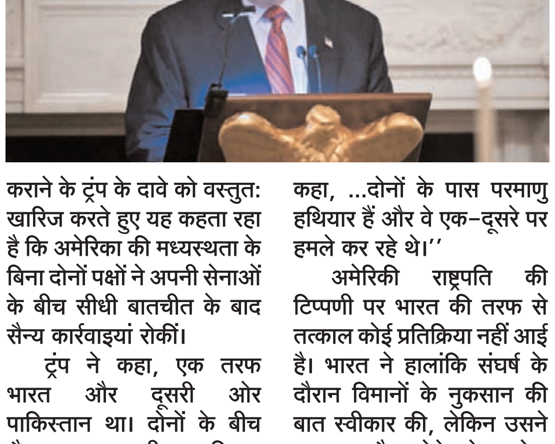

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए।

साथ ही उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव उनके हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के लिए शुक्रवार को आयोजित रात्रिभोज के दौरान अपनी टिप्पणी में यह स्पष्ट नहीं किया कि किसी एक पक्ष के विमान मार गिराए गए या फिर वह दोनों पक्षों के नुकसान की बात कर रहे थे।

भारत सैन्य टकराव समाप्त कराने के ट्रंप के दावे को वस्तुतः खारिज करते हुए यह कहता रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता के बिना दोनों पक्षों ने अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाइयां रोकीं।

ट्रंप ने कहा, एक तरफ भारत और दूसरी ओर पाकिस्तान था। दोनों के बीच सैन्य टकराव जारी था। विमान मार गिराए जा रहे थे... चार या पांच विमान। मुझे लगता है कि वास्तव में पांच विमान मार गिराए गए थे... हालात बद से बदतर होते जा रहे थे, है ना?'' उन्होंने कहा, ...दोनों के पास परमाणु हथियार हैं और वे एक-दूसरे पर हमले कर रहे थे।''

अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी पर भारत की तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भारत ने हालांकि संघर्ष के दौरान विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन उसने इसका ब्यौरा देने से परहेज किया। वहीं, पाकिस्तान बिना कोई सबूत दिए यह दावा कर रहा है कि उसने छह भारतीय विमान मार गिराए हैं। भारतीय सेना ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

ब्रिक्स नाम का छोटा समूह डॉलर पर प्रभुत्व तोड़ने की कोशिश कर रहा : ट्रंप

ट्रंप ने दस दिनों में दूसरी बार ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका को 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है।

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स को एक 'छोटा समूह' बताते हुए दावा किया कि यह 'डॉलर के प्रभुत्व' को तोड़ना चाहता है। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि यदि ब्रिक्स के सदस्य राष्ट्र ऐसा करते हैं, तो वे उन पर 10 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। ट्रंप ने दस दिनों में दूसरी बार ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका को 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''...आपके पास ब्रिक्स नाम का एक छोटा सा समूह है। इसकी चमक तेजी से फीकी होती जा रही है, लेकिन ब्रिक्स डॉलर का प्रभुत्व, मानक मुद्रा का दर्जा तोड़ने की कोशिश कर रहा है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'जीनियस एक्ट' पर हस्ताक्षर करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, '' मैंने कहा कि ब्रिक्स देशों के समूह में शामिल किसी भी देश पर हम 10 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।'' 'जीनियस एक्ट' पहला क्रिप्टोकरेंसी विधेयक है, जिसे अमेरिकी विधायिका ने मंजूरी दी है। यह स्थिर क्रिप्टोकरेंसी के लिए नियामक ढांचा स्थापित करता है।

ट्रंप के दावे पर राहुल ने कहा

मोदी जी पांच जहाजों का सच क्या है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष का दौरान ''पांच लड़ाकू विमानों के गिराए जाने'' संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को लेकर शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि पांच जहाजों का सच क्या है क्योंकि यह जानना देश का हक है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब इस बारे में संसद के भीतर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

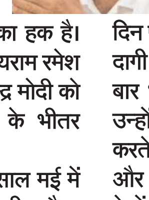

ट्रंप ने कहा कि इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान ''पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए''। उन्होंने अपना यह दावा भी फिर दोहराया कि उनके हस्तक्षेप के बाद यह संघर्ष खत्म हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या विमान दोनों देशों में से किसी एक ने खोए या क्या वह दोनों पक्षों के संयुक्त नुकसान का जिक्र कर रहे थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी जी, 5 जहाज़ों का सच क्या है? देश को जानने का हक है।''

कांग्रेस नेता रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले, 'ट्रंप मिसाइल' 24वीं बार दागी गई और हर बार की तरह इस बार भी वही दो बातें दोहराई गईं।'' उन्होंने ट्रंप के बयान का उल्लेख करते हुए कहा, ''अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध रुकवा दिया। अगर युद्ध जारी रहता तो कोई व्यापार समझौता नहीं होता। यानी भारत और पाकिस्तान को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते के लिए तत्काल संघर्षविराम को मानना पड़ा।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

तेलंगाना के काजीपेट रेल कोच कारखाने में उत्पादन अगले साल से: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तेलंगाना के काजीपेट में बनने वाले रेल कोच कारखाने में उत्पादन अगले साल शुरू हो जाएगा।

हैदराबाद से लगभग 130 किलोमीटर दूर काजीपेट स्थित इस कारखाने का दौरा करने वाले वैष्णव ने कहा कि यह एक विशाल, अत्याधुनिक कारखाना है जिसका निर्माण 500 करोड़ रुपए के निवेश से किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि इस इकाई में कोच, इंजन और अन्य कलपुर्जों का निर्माण किया जा सकता है, जिसे विभिन्न प्रकार के रेलवे विनिर्माण को समर्थन देने के लिए डिजाइन किया गया है। इस कारखाने में दुनिया के बेहतरीन डिज़ाइनों में से एक डिज़ाइन है और वहां निर्मित उत्पाद निर्यात-योग्य गुणवत्ता के होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काजीपेट में कोच विनिर्माण कारखाने की तेलंगाना की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर रहे हैं। भारतीय रेलवे को 150 इंजनों के निर्यात का ऑर्डर मिलने का उल्लेख करते हुए, वैष्णव ने कहा कि मेट्रो कोचों के निर्यात पर भी काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, भविष्य में भारत एक प्रमुख रेलवे विनिर्माण और निर्यातक देश के रूप में उभरेगा। वैष्णव के साथ मौजूद केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने काजीपेट में इकाई स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री को धन्यवाद दिया। रेलवे कोच कारखाना स्थापित करने की मांग 40 साल से भी ज़्यादा पुरानी है और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव, जो वर्तमान तेलंगाना (तब हैदराबाद राज्य का हिस्सा) के मूल निवासी थे, ने भी इस दिशा में प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान भी यह मांग दोहराई गई थी और अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह कारखाना वास्तविकता बना है।

एआई विमान दुर्घटना संबंधी खबरें अपरिपक्व, एएआईबी जांच का पूरा समर्थन करेंगे : एनटीएसबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा है कि बोर्ड एयर इंडिया विमान दुर्घटना की एएआईबी जांच का समर्थन करना जारी रखेगा और घटना के बारे में खबरें अपरिपक्व और अटकलों पर आधारित हैं।

अहमदाबाद से 12 जून को लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान एक इमारत से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें जमीन पर मारे गए 19 लोग भी शामिल हैं। विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक यात्री जीवित बच सका था। बारह जुलाई को, वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने इस दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की।

होमेंडी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 से संबंधित दुर्घटना पर हाल की मीडिया खबरें अपरिपक्व और अनुमान पर आधारित हैं। भारत के वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने अभी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांचों में समय लगता है।''

यह टिप्पणी एएआईबी के उस बयान के कुछ दिन बाद आई हैं, जिसमें कहा गया था कि दुर्घटना के कारणों पर निर्णायक निष्कर्ष पर पहुंचना अभी बहुत जल्दी है, क्योंकि जांच अब भी जारी है और सभी से आग्रह किया गया था कि वे अपरिपक्व विमर्श न फैलाएं। होमेंडी ने यह भी कहा कि एनटीएसबी पूरी तरह से एएआईबी की सार्वजनिक अपील का समर्थन करता है और उसकी जारी जांच में समर्थन जारी रखेगा। उन्होंने शनिवार को पोस्ट किया, ''जांच संबंधी सभी सवालों को एएआईबी को ही संबोधित किया जाना चाहिए।'' कुछ खबरों में यह भी इशारा किया गया है कि पायलट की गलती के कारण एयर इंडिया का विमान (वीटी-एएनबी) दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उड़ान संख्या एआई 171 संचालित थी। वीटी-एएनबी एयर इंडिया के एक विशिष्ट विमान (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) के पंजीकरण कोड को दर्शाता है।

जीवन को संतुलित बनती है सामायिक की साधना : मुनिश्री पुलकित कुमार

तेरापंथ भवन में हुआ सामायिक कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा विशेष सामायिक कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। इस अवसर पर मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने कहा कि जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों में समभाव रखना ही समता की साधना है। इसे ही भगवान महावीर ने समता धर्म कहा है। समता भाव को बढ़ाने की सबसे छोटी जैन उपासना पद्धति है सामायिक। जैन श्रावक की पहचान है सामायिक करना। सामायिक से राग द्वेष के दोष दूर होते हैं ,आत्मानंद की अनुभूति बढ़ती है। जीवन के द्वंद खत्म हो जाते हैं। जीवन संतुलित हो जाता है,अतः प्रत्येक श्रावक श्राविका चातुर्मास में प्रतिदिन एक सामायिक अवश्य करें। मुनिश्री ने प्रेक्षा ध्यान के अंतर्गत कायोत्सर्ग से होने वाले लाभ की चर्चा करते हुए कायोत्सर्ग करने का आव्हान किया। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने विषय पर प्रस्तुति दी। तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याओं ने सामायिक गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा, मंत्री विजेता रायसोनी ने मुनिश्री द्वारा आयोजित इतिहास तत्व बहुत प्रतियोगिता के लिए सभी सदस्याओं को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मुनि श्री के प्रवचन में सकल जैन श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति थी। इस अवसर पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ठाणे में निर्माण स्थल पर खुदाई में नक्काशीदार पत्थर के टुकड़े मिले

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक निर्माण स्थल पर खुदाई के दौरान नक्काशीदार पत्थरों के टुकड़े मिले, जो संभवत: प्राचीन स्तंभों के हिस्से हैं। इसके बाद अधिकारियों ने इनकी जांच के आदेश दिए।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ये अवशेष बृहस्पतिवार को टेंभी नाका इलाके में आनंद आश्रम के पास एक निजी भूखंड पर निर्माण कार्य के दौरान मिले जिसके बाद काम रोक दिया गया है। कुछ समय पहले इसी क्षेत्र में प्राचीन सिद्धेश्वर मंदिर में खुदाई के दौरान एक दुर्लभ ब्रह्मा प्रतिमा मिली थी। अब यहां नक्काशीदार पत्थर के टुकड़े मिले हैं।

खुदाई में ये पत्थर निकलने के बाद स्थानीय विरासत प्रेमी कैलास महापदी ने जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे को इनकी जानकारी दी और उनसे इन अवशेषों के संरक्षण के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। कलेक्टर ने इसके बाद पुरातत्व विभाग को उनकी प्रकृति और उत्पत्ति की जांच करने का निर्देश दिया। महाराष्ट्र पुरातत्व एवं संग्रहालय के निदेशक तेजस गर्गे ने इस बारे में 'पीटीआई भाषा' को बताया कि उन्होंने अधिकारियों को इन अवशेषों की जांच करने का निर्देश दिया है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पिछले 11 वर्षों में आठ गुना वृद्धि के साथ 40 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़ गया है।

आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, वैष्णव ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तेज प्रगति का जिक्र भी किया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि इस साल व्यावसायिक स्तर पर पहली भारत में बनी सेमीकंडक्टर चिप आएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों में एक बनने की राह पर है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, ''महज 11 वर्षों में, हमने अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को छह गुना बढ़ा दिया है। यह दोहरे अंकों की वृद्धि है। हमने अपने निर्यात को आठ गुना बढ़ाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है।'' उन्होंने कहा कि यह वृद्धि की अभूतपूर्व गति है, जो बहुत कम देशों ने पहले कभी देखी है।

पंजाब : आप विधायक अनमोल गगन मान ने दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

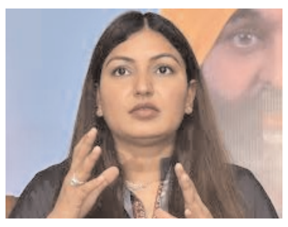

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता अनमोल गगन मान ने पंजाब विधानसभा की सदस्यता से रविवार को इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्होंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। अनमोल गगन मान (35) खरड़ विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अपने इस्तीफे के बारे में जानकारी दी और उन्होंने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां से उनका इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह किया है।

मान ने 'एक्स' पर पंजाबी में एक पोस्ट में कहा, ''मैंने भारी मन से राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से अध्यक्ष को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''पार्टी के साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।'' गायिका से नेता बनीं मान ने यह नहीं बताया कि उन्होंने यह निर्णय क्यों किया। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने पंजाब में 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में खरड़ सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार रंजीत सिंह गिल को 37,885 मतों के अंतर से हराया था। मानसा जिले की रहने वालीं मान जुलाई 2020 में 'आप' में शामिल हुई थीं। उन्हें बाद में 'आप' की युवा शाखा का सह-अध्यक्ष बनाया गया था। प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले मान ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की प्रशंसा में आम आदमी पार्टी के लिये एक प्रचार गीत भी गाया था। मान मंत्री भी बनी थीं और उन्होंने 'आप' सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति, निवेश प्रोत्साहन, श्रम एवं आतिथ्य विभाग का कार्यभार संभाला। लेकिन पिछले साल भगवंत मान सरकार ने मान समेत चार मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटा दिया था।

धैर्य, सहनशक्ति और शांति से सब कार्य आसान हो जाते हैं : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में शनिवार को लोकेश मुनि जी ने भगवान महावीर की अंतिम वाणी श्री उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का वर्णन किया। संतश्री ज्ञानमुनि जी ने कहा कि भगवान महावीर की संक्षिप्त बातों में भी बहुत गहन अर्थ होते हैं। प्रभु महावीर कहते थे कि कभी कभी एक दो वाक्यों में कही हुई बातों में जितना अर्थ होता हैं उतनी गहराई घंटों तक दिए हुए भाषण में भी नहीं मिलती। धैर्य, सहनशक्ति और शांति से सब कार्य आसान हो जाते हैं। चाहे आप दुनिया की किसी भी क्षेत्र चले जाओ, किंतु मातृभूमि सबसे प्रिय होता हैं। सरल स्वभाव से आत्मा भी सरल बनती हैं और सरल आत्मा को मृत्यु भी सरल ही मिलती हैं। छल कपट वालों की मृत्यु भी बहुत कठिन होती हैं। गुरुदेव ने राजस्थान के विख्यात कवि श्री हरिदास जी के बारे में उल्लेख किया जिन्होंने 700 से ज्यादा दोहे लिखे। उन्होंने बताया कि जोधपुर में सेठ गुलाबचंदजी थे। वे बहुत ही मधुर भाषी और ऊंची बोली वाले व्यक्तित्व थे। उन्होंने अंग्रेजों से खूब संघर्ष किया और बालोतरा से पचपदरा तक की रेलवे लाइन बनवाई। सभा में अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया एवं सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

जीवन में सच्ची श्रद्धा से आत्मा परमात्मा बन सकती है : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में रुपेश मुनि जी म. सा. ने मधुर भजन प्रस्तुत किया। मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि श्रद्धा की महिमा अपरंपार है। यदि जीवन में श्रद्धा आ जाए, तो आत्मा परमात्मा बन सकती हैं । रामकृष्ण परमहंस ने कहा है कि जिस आत्मा में संवेग की धारा का प्रवाह होता है, उसकी श्रद्धा एवं ब्रह्मचर्य सुदृढ़ होता है और वह आत्मा शीघ्र आत्मज्ञान को प्राप्त कर लेती है ।जीवन में श्रद्धा का आना अत्यंत दुर्लभ है। संशय से आत्मा का विनाश होता है । शास्त्र यह भी कहते हैं की श्रद्धा पाप विमोचनी अर्थात अश्रद्धा भयंकर पाप है एवं श्रद्धा ही पापों को हरने वाली है। जिस प्रकार एक नहर में अनेक मोड़ होते हैं, घुमाव होते हैं ताकि पानी की गति निरंतर बनी रहे । इसी प्रकार से क्रांति जीवन को एक मोड़ देती हैं और जब-जब समाज में, देश में मूल्यों की गिरावट होती है, तब-तब महापुरुष समाज और देश को एक नया मोड़ देते हैं, एक नई दिशा देते हैं।

क्रांति करने वाले क्रांतिकारी होते हैं । क्रांति दो प्रकार की होती है। पहले रक्तिम क्रांति या हिंसक क्रांति या खूनी क्रांति। संतश्री ने कहा कि वाल्मीकि ने राम का उल्टा मरा-मरा का जाप करते हुए भी अपने जीवन को सीधा कर दिया और रामायण की संस्कृत में रचना कर डाली । पत्नी मोह से ग्रस्त तुलसीदासजी को जब पत्नी ने समझाया कि यदि आप चाम की बजाय राम से प्यार करते तो आपका बेड़ा पार हो जाता । इतना सुनकर उन्होंने अपना मन राम में लगा दिया और रामचरितमानस नामक ग्रंथ की रचना की। वासना का कीड़ा जब उपासना में लग जाएं, तभी जीवन में क्रांति घटित होती है। जो हमें जीवन जीने का सही रास्ता दिखाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, पाप से पुण्य की ओर, अधर्म से धर्म की ओर, बंध से निर्जरा की ओर ले जाएं, वही हमारे सच्चे गुरु होते हैं। जीवन में दीपक की भांति जलकर रोशनी देने वाले बहुत कम है। अगरबत्ती की भांति जलकर सुगंध देने वाले बहुत कम है, किंतु चंडकौशिक की भांति डंक मारने वाले बहुत मिल जाएंगे । यदि बनना है तो महावीर बनें, जिन्होंने विषधर चंडकौशिक को भी दिशा देकर दुर्गति से बचा लिया । सभा का संचालन राजेश भाई मेहता ने किया ।

दिल्ली में 80 साल पुराने पानी के पाइपलाइन बदले जाएंगे : प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को बताया कि राजधानी की पुरानी जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरस्त करने के लिए सरकार 'वाटर मास्टर प्लान' के तहत पानी के पुराने पाइपलाइनों को बदलेगी।

अपने विधानसभा क्षेत्र की यात्रा के दौरान मंत्री ने पाइपलाइनों को 40 से 80 साल पुराना बताते हुए कहा कि यही कारण है कि कई इलाकों में गंदे पानी की समस्या और जल आपूर्ति में बाधा आ रही है।

वर्मा ने कहा, ''दिल्ली में कई ऐसी जगहें हैं जहां लोग गंदे पानी की समस्या झेल रहे हैं। इसकी वजह यह है कि पानी की पाइपलाइन कई दशक पुरानी हैं।''

मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बुनियादी ढांचे से संबंधित कोई सुधार नहीं किया। उन्होंने कहा, ''उन्होंने एक भी नई पाइपलाइन नहीं बिछाई।'' आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से इस पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार पहले ही इस दिशा में ठोस कदम उठा चुकी है। उन्होंने कहा, ''बजट पास हो चुका है, टेंडर को मंजूरी मिल चुकी है और कुछ इलाकों में काम भी शुरू हो गया है।'' वर्मा ने कहा कि यह केवल घोषणाएं नहीं हैं, बल्कि दिल्ली के कई हिस्सों में काम दिखने भी लगा है। उन्होंने कहा, ''नई सरकार के गठन के सिर्फ पांच महीने पुरे हुए है और अगले एक साल में दिल्ली की सूरत बदल जाएगी।'' उन्होंने सभी परियोजनाओं को समय पर और पारदर्शी ढंग से पूरा करने का भरोसा दिलाया। जनसंपर्क अभियान के तहत वर्मा ने डी-ब्लॉक गोल मार्केट, रकाबगंज स्थित गुरुद्वारा फ्लैट्स और सरोजिनी नगर के टाइप-2 फ्लैट्स का दौरा किया।

राज ठाकरे के बयान के बाद निशिकांत दुबे का पलटवार, दोनों के बीच जुबानी जंग जारी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें हिंदी सिखा दी है। दरअसल, ठाकरे ने दुबे पर पलटवार करते हुए एक कार्यक्रम में हिंदी में कहा, ''आप मुंबई आइए। मुंबई के समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे।'' इससे पहले महाराष्ट्र में भाषा विवाद को लेकर दुबे ने ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा था, ''तुमको पटक पटक के मारेंगे।'' ठाकरे के ताजा बयान के बाद दुबे ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी? 'मराठी मानुष' के मुद्दे पर दबाव बनाने के लिए जाने जाने वाले ठाकरे ने स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा शुरू करने के भाजपा नीत सरकार के फैसले के विरोध में अपने चचेरे भाई और शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ फिर से हाथ मिला लिया है। हालांकि, इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने अपना आदेश वापस ले लिया था।

मिशन दृष्टि के तहत आयोजित नेत्र जांच शिविर में 223 बच्चे हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा टीपीएफ राष्ट्रीय शाखा के निर्देशानुसार मेगा नेत्र जांच शिविर मिशन दृष्टि के अंतर्गत शांतिनिकेतन अंग्रेजी माध्यम स्कूल में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 223 बच्चों ने आंखों की जांच कराई। मुनिश्री पुनीतकुमार जी व टीपीएफ उत्तर कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष विनोद वेदमूथा की अध्यक्षता व स्कूल के चेयरमैन भंवरलाल जैन व स्कूल की प्राध्यापक डॉ कैथरीन और डॉ सौरभ के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष हेमंत चोपड़ा, मंत्री विनोद भंसाली, निवर्तमान अध्यक्ष विशाल बोहरा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष महेंद्र पालगोता सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कोमल कटारिया ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु क्लासीफाइड

नाम परिवर्तन

नाम परिवर्तन

मैं, हेमामालिनी सुंदरम, पत्नी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल के. एन. श्रीकर (सेवानिवृत्त), पुत्री श्री एस. आर. सुंदरम, आयु लगभग 56 वर्ष, निवासी: नंबर 4004, शोभा डाहलिया, मारगोसा एवेन्यू, ग्रीन ग्लेन लेआउट, बेलंदूर, बेंगलुरु - 560103, यह सत्यपूर्वक घोषित करती हूँ कि हेमामालिनी सुंदरम, हेमा श्रीकर, हेमा, हेमामालिनी एस, एस. हेमामालिनी — ये सभी नाम एक ही व्यक्ति के हैं और वह व्यक्ति मैं स्वयं हूँ।

भारत, अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए 17 जुलाई को वाशिंगटन में पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह वार्ता वाशिंगटन में चार दिन (14-17 जुलाई) तक चली। अधिकारी ने कहा, भारतीय टीम वापस आ रही है। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ये विचार-विमर्श इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जब भारत सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क (26 प्रतिशत) की निलंबन अवधि का अंतिम दिन है।

इस साल दो अप्रैल को, ट्रंप ने इन उच्च जवाबी शुल्कों की घोषणा की थी। उच्च शुल्कों के कार्यान्वयन को तुरंत 90 दिनों के लिए नौ जुलाई तक और फिर एक अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया था क्योंकि अमेरिका कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और वाहन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं और 'स्कॉमेट' (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी) से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई।

कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है।

राज्यपाल गहलोत ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को शपथ दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने शनिवार को राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी और दिनेश कुमार सिंह को कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी और न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। इस अवसर पर विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू, न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, विधि, संसदीय कार्य और पर्यटन मंत्री एच.के. पाटिल, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव के.जी. जगदीश, कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, वरिष्ठ वकील, अन्य गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने यहां राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति विभु बाखरू को पद की शपथ दिलाई।

इससे पहले न्यायमूर्ति बाखरू (59) दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, कई वरिष्ठ मंत्री, न्यायाधीश, अधिवक्ता और राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक निधि आवंटन : भाजपा के समय की परंपरा का अनुसरण कर रही है कांग्रेस : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में विपक्षी दलों द्वारा अपने विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में विकास निधि आवंटन में भेदभाव का आरोप लगाये जाने के बीच राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा स्थापित परंपरा का अनुसरण कर रही है। ''किसी बदले की राजनीति'' से इनकार करते हुए परमेश्वर ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों की विकास आवश्यकताओं के आधार पर धन आवंटित किया जाएगा।

भाजपा नेता एवं विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा था कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कांग्रेस विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को विकास कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपये आवंटित किए जा रहे हैं, जबकि भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के निर्वाचन क्षेत्रों को केवल 25-25 करोड़ रुपये ही मिलेंगे। जदएस ने भी सवाल किया कि कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये आवंटित करके क्या भाजपा और जदएस विधायकों के प्रतिनिधित्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों को समान अनुदान नहीं देकर भेदभाव करना सही है।

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''क्या मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) ने कहा है कि भाजपा या जदएस विधायकों को धन नहीं दिया जाएगा? पिछली सरकार के दौरान उन्होंने ही यह प्रथा शुरू की थी। तब सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों को एक राशि दी जाती थी और विपक्षी विधायकों को अलग राशि दी जाती थी।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) अपने विधायकों को 50 करोड़ रुपये दिए, जबकि हमें (कांग्रेस विधायकों को) 25 करोड़, 20 करोड़ या यहां तक कि 10 करोड़ रुपये दिए गए। हम भी यही व्यवस्था अपना रहे हैं।''

परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए दोहराया कि किसी ने यह नहीं कहा है कि विपक्षी विधायकों को धन नहीं दिया जाएगा-आवंटन प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की विकास आवश्यकताओं के आधार पर होगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा ''बदले की राजनीति'' किये जाने के दावों को एक बार फिर खारिज करते हुए कहा, ''जहां भी अधिक विकास कार्य की आवश्यकता होगी, वहां अधिक धनराशि आवंटित की जाएगी। अपेक्षाकृत विकसित निर्वाचन क्षेत्रों में कम धनराशि उपलब्ध करायी जाएगी। यही वह पैमाना है, जिसका हम पालन करेंगे।''

शिवकुमार उर्फ बिकलू शिवा की हत्या से जुड़ी एक प्राथमिकी की जांच के सिलसिले में भाजपा विधायक बी. ए. बसवराज को पुलिस के सामने पेश होने का नोटिस दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर, परमेश्वर ने कहा कि विधायक का बयान दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा, जांच आगे बढ़ेगी। मामले में उनकी (बसवराज की) संलिप्तता या किसी भी तरह के संबंध की जांच की जाएगी और निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।''

भाजपा के इस दावे पर कि बसवराज के खिलाफ मामला राजनीति से प्रेरित है, परमेश्वर ने कहा, ''कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए लगभग ढाई साल हो गए हैं। अब तक कितने राजनीति से प्रेरित मामले दर्ज किए गए हैं? अगर शिकायतकर्ता ने विधायक का नाम नहीं लिया होता, तो यह मामला सामने ही नहीं आता। शिकायतकर्ता का क्या राजनीतिक मकसद है?''

धर्मस्थला में पिछले दो दशकों में कथित सामूहिक हत्या, बलात्कार और शवों को दफनाने की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग के बारे में, गृह मंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, अगर और विस्तृत जांच जरूरी समझी गई, तो सरकार फैसला लेगी। परमेश्वर ने सवाल किया, ''क्षेत्राधिकार वाली पुलिस एक पूर्व सफ़ाई कर्मचारी के बयान के आधार पर प्रारंभिक जांच कर रही है, जिसने दावा किया था कि उस इलाके में सैकड़ों शव दफनाए गए थे। अगर आगे जांच जरूरी हुई, तो सरकार फ़ैसला लेगी। जब प्रारंभिक जांच की जा रही है, तो एसआईटी की मांग क्यों हो रही है? फिर पुलिस विभाग किस काम का?''

उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि वकीलों के एक समूह ने एसआईटी जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी।

कर्नाटक सुरंग सड़क परियोजना को 'पर्यावरणीय आपदा' : आर अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आर. अशोक ने शहर में सुरंग सड़क परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर शनिवार को निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह न केवल एक 'पर्यावरणीय आपदा' है, बल्कि राजनीतिक अहंकार, 'अहं और भ्रष्टाचार' का स्मारक है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार इस परियोजना के जरिए बेंगलूरु के सबसे प्रतिष्ठित विरासत क्षेत्रों एवं पर्यावरण की दृष्टि से अहम स्थानों- लालबाग, पैलेस ग्राउंड्स, सेंट जॉन्स अस्पताल, रेसकोर्स और हेब्बाल - में 100 फुट गहरी खाइयां खोदकर सुरंग खोदने वाली विशाल मशीन लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, ''यह शहरी गतिशीलता नहीं है। यह शहरी विकृति है।''

राज्य विधान सभा में विपक्ष के नेता अशोक ने परियोजना की आलोचना करते हुए कहा कि बेंगलूरु के लोग कुछ लोगों के अहंकार की पुष्टि करने वाली ''सुरंग'' के नहीं, बल्कि बेहतर सुविधाओं, स्वच्छ हवा, हरे भरे स्थानों और वास्तव में न्यायसंगत सार्वजनिक परिवहन के हकदार हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, यह विकास नहीं है। यह बुनियादी ढांचे के नाम पर पर्यावरणीय बर्बरता है और पहले से ही संकटग्रस्त शहर के साथ कांग्रेस के समर्थन से किया गया विश्वासघात है। इस सुरंग के अंत में लूट है।''

कैबिनेट के एक फैसले के अनुसार सुरंग सड़क की लागत 17,780 करोड़ रुपये होगी और इसे संशोधित बिल्ड-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर' (बीओओटी) मॉडल के तहत लागू किया जाएगा। यह दोहरी सुरंग हेब्बाल के एस्टीम मॉल जंक्शन से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक 16.745 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

अशोक ने कहा, ''शिवकुमार की सुरंग सड़क परियोजना न केवल एक पर्यावरणीय आपदा है बल्कि यह राजनीतिक अहंकार, अहं और भ्रष्टाचार का स्मारक है।''

भाजपा नेता ने परियोजना पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ''चुप्पी'' पर सवाल उठाते हुए कहा, ''यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने आरे (महाराष्ट्र) और हसदेव अरण्य (छत्तीसगढ़) में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को लेकर शोर मचाया था लेकिन जब उनकी अपनी पार्टी के उपमुख्यमंत्री बेंगलूरु की पारिस्थितिकी से खिलवाड़ कर रहे हैं तो वह अचानक आंखें फेर लेते हैं। यह पाखंड क्यों?''

अशोक ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा, ''क्या राहुल की पर्यावरण संबंधी चिंताएं सिर्फ भाजपा शासित राज्यों तक ही सीमित हैं? या फिर कांग्रेस आलाकमान को इस करोड़ों रुपये के सुरंग सड़क परियोजना सौदे में हिस्सा मिल रहा है? क्या उनकी चुप्पी ठेकों, कमीशन और विरासत की राजनीति से खरीदी गई है? इस सुरंग के अंत में लूट है!'' हाल में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी इस परियोजना को लेकर शिवकुमार की आलोचना की थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर संविधान की 'हत्या करने' का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ''संविधान की हत्या करने'' का आरोप लगाया और कहा कि देश के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को इसमें बदलाव नहीं करने देंगे।

खरगे कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित एक विशाल सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जहां मैसूरु के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। खरगे ने चेतावनी देते हुए कहा, ''भाजपा और आरएसएस संविधान में संशोधन या उसे फिर से लिखने की बात कर रहे हैं। आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, इस देश के लोग आपको संविधान में बदलाव नहीं करने देंगे। अगर आप (लोग) उन्हें संविधान बदलने देंगे, तो आपके पास कोई अधिकार नहीं बचेगा।''

उन्होंने कहा, ''मोदी, आप संविधान की बदौलत मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बने, संसद में प्रवेश करने से पहले आपने संविधान को नमन किया, लेकिन मोदी आज उसी संविधान की हत्या कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा और आरएसएस हर दिन इस संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।'' इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद थे। खरगे ने अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर 42 देशों की यात्रा करने लेकिन हिंसा प्रभावित मणिपुर नहीं जाने के लिए निशाना भी साधा। उन्होंने आरोप लगाया, ''क्या कारण है? क्या आप (मोदी) वहां जाने से डरते हैं? राहुल गांधी (कांग्रेस नेता) दो बार वहां जा चुके हैं...जब देश के लोग मर रहे हैं, मोदी विदेश यात्रा कर रहे हैं।'' कर्नाटक में सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खरगे ने कहा कि भाजपा केवल आलोचना करती है और उस पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मोदी अक्सर पूछते हैं कि कांग्रेस ने पिछले 55 सालों में क्या किया है। हमने जो किया है, वह जनता के सामने है, आप हमें बताएं कि आपने क्या किया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि महाराजाओं और जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को अदाणी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों को बेचा जा रहा है।

कांग्रेस प्रमुख खरगे ने कहा कि ''वह हमारी परिसंपत्तियां हैं, जो हमारे कर के पैसे से बनी हैं और कई लोग वहां काम करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''चाहे हवाई अड्डा हो, बंदरगाह हो, सड़कें हों, एयरलाइन हों, सब कुछ उन्हीं लोगों को बेचा जा रहा है, जिन्हें वह (मोदी) चाहते हैं।'' खरगे ने कहा कि कांग्रेस का हमेशा से उद्देश्य लोगों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना रहा है। उन्होंने कहा कि यह सबसे पुरानी पार्टी अपनी विचारधारा से समझौता किए बिना लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम भले ही कुछ राज्यों में हार गए हों, लेकिन करोड़ों लोग अब भी चाहते हैं कि हम लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए सत्ता में आएं।'' मोदी के ''कांग्रेस मुक्त भारत'' नारे का मखौल उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तो अबकी बार चार सौ पार तक कहा था, लेकिन (भाजपा) को केवल 240 सीट ही मिलीं। उन्होंने कहा, अहंकार लोगों को गिरा देता है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ये योजनाएं पूरे देश में लोकप्रिय हैं। कांग्रेस प्रमुख खरगे ने योजनाओं के क्रियान्वयन में सामूहिक नेतृत्व के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्रियों, विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा, मेरी कांग्रेस पार्टी में ऐसे लोग हैं, जो काम करते हैं, जबकि मोदी की भाजपा में लोग केवल बोलते हैं या आलोचना करते हैं। खरगे ने कर्नाटक सरकार के दिवालिया होने के दावों का खंडन किया और सवाल किया, ''अगर सरकार दिवालिया होती, तो क्या वह प्रत्येक विधायक को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपये देती?'' केंद्र की मोदी सरकार से विभिन्न योजनाओं के तहत कर्नाटक के हिस्से की धनराशि जारी करने का आग्रह करते हुए, खरगे ने कहा, ''हमें हमारा पैसा दो, यह आपका पैसा नहीं है, यह हमारा पैसा है, जो हम करों/जीएसटी के रूप में देते हैं।'' मोदी के हालिया दावे की ओर इशारा करते हुए कि भारत अब उन शीर्ष देशों में गिना जाता है, जहां समानता सबसे ज़्यादा है, उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में धीरे-धीरे गरीबों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए।

भाजपा नेता अशोक ने सिद्दरामय्या से भगदड़ मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा नेता आर. अशोक ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से आग्रह किया कि वह आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ की जांच सीबीआई को सौंप दें, ताकि घटना के पीछे के असली दोषियों की पहचान हो सके और निर्दोष लोगों को न्याय मिल सके।

राज्य की राजधानी में चार जून को स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 56 अन्य घायल हो गए थे। यह घटना तब हुई जब रॉयल चैलेंजर बेंगलूरु (आरसीबी) टीम की आईपीएल जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए थे।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता अशोक ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि यह दुखद घटना, जिसने राज्यव्यापी बहस छेड़ दी है, कर्नाटक में खेलों के इतिहास में एक काला धब्बा बन गई है और इस मुद्दे पर पुलिस तथा राज्य सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि भीड़ प्रबंधन में पुलिस की विफलता के कारण भगदड़ मची। हालांकि, सरकार ने केवल कुछ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया है। भगदड़ के संबंध में, बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद और विकास कुमार विकास सहित चार अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया। बाद में विकास ने राज्य सरकार के पांच जून के निलंबन आदेश को चुनौती देते हुए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) का रुख किया। बाद में, न्यायाधिकरण ने विकास के खिलाफ कर्नाटक सरकार के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया।

अशोक ने सिद्दरामय्या को लिखे अपने पत्र में कहा कि न्यायाधिकरण ने ऐसे ही एक अधिकारी के निलंबन पर सुनवाई के दौरान यह भी राय दी थी कि केवल पुलिस अधिकारियों को ही जवाबदेह ठहराना उचित नहीं है। भाजपा नेता ने कहा, सवाल अब भी बना हुआ है कि निर्दोष लोगों की जान लेने वाली इस घटना के असली गुनहगार कौन हैं। राज्य की जनता भी इसी सवाल का जवाब चाह रही है। उन्होंने कहा, इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस मामले को बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाए, ताकि घटना के पीछे के असली दोषियों की पहचान हो सके और निर्दोष लोगों को न्याय मिल सके।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा-जद (एस) को कर्नाटक में विकास पर बहस की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि विपक्षी दल लोगों का प्यार और सद्भावना खो चुके हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) को एक मंच पर आकर बहस करने की चुनौती दी कि राज्य के विकास में किसने कितना योगदान दिया है। वह कर्नाटक सरकार की ओर से आयोजित एक विशाल सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जहां मैसूरु के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''भाजपा और जद (एस) झूठे आरोप लगाते हैं। मैंने कई बार कहा है कि सच्चाई जानने और लोगों को गुमराह करना बंद करने के लिए आप सभी को एक मंच पर आना चाहिए। अगर भाजपा और जद(एस) नेता (विकास के मुद्दे पर बहस करने के लिए) एक मंच पर आते हैं, तो मैं आने के लिए तैयार हूं। आइए बहस करें कि हमने क्या किया है और आपने क्या किया है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का दावा है कि राज्य का खजाना खाली है और सरकार दिवालिया हो गई है तथा विकास के लिए पैसा नहीं है क्योंकि यह गारंटी योजनाओं पर खर्च हो गया है।

उन्होंने पूछा, ''अगर सरकार दिवालिया होती, तो क्या आज 2,578 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास संभव होता?'' मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर झूठ बोलने और लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा और जद(एस) कह रहे हैं कि यह कार्यक्रम सिद्दरामय्या का शक्ति प्रदर्शन है। यह शक्ति प्रदर्शन नहीं है। यह विकास की ताकत दिखाने के लिए है।'' भाजपा ने शुक्रवार को इस आयोजन को सिद्दरामय्या का ''शक्ति प्रदर्शन'' करार दिया, जिसका उद्देश्य उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने के किसी भी कदम के खिलाफ अपने अहिंदा' वोट बैंक का इस्तेमाल करके कांग्रेस आलाकमान को ''ब्लैकमेल'' करना है। अहिंदा' कन्नड़ में अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए एक संक्षिप्त शब्द है। दोनों विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा हमेशा ''पिछले दरवाजे'' और ''ऑपरेशन कमल'' के जरिए राज्य में सत्ता में आई है, न कि लोगों के आशीर्वाद से, जबकि जद(एस) की ताकत चुनाव दर चुनाव कम होती जा रही है, और वह कर्नाटक में अपने बल पर कभी सत्ता में नहीं आ सकती।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर 40 करोड़ रुपये की चार किलोग्राम कोकीन जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नई दिल्ली में वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 40 करोड़ रुपये मूल्य की चार किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की है। इस संबंध में एक यात्री को गिरफ्तार भी किया गया। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की बेंगलूरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने 18 जुलाई को दोहा से बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका।

मंत्रालय ने कहा कि यात्री के पास दो सुपरहीरो की कॉमिक्स/ पत्रिकाएं थीं, जो असामान्य रूप से भारी थीं। इसके बाद अधिकारियों ने पत्रिकाओं के कवर में छिपाए गए सफेद पाउडर को बरामद किया। मंत्रालय ने कहा, ''पाउडर में कोकीन पाया गया। बरामद कोकीन का वजन 4,006 ग्राम (चार किलोग्राम से अधिक) है और इसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 40 करोड़ रुपये है, जिसे एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।'' इसके बाद, यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया और 18 जुलाई, 2025 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उप मुख्यमंत्री शिवकुमार के काफिले में शामिल वाहन के पलटने से चार लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के काफिल में शामिल वाहन के शनिवार को मंड्या जिले के श्रीरंगपटना तालुका में पलट जाने से उसमें सवार चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना टी एम होसुरु गेट के पास उस समय हुई जब शिवकुमार मैसूरु में एक सम्मेलन में भाग लेने के बाद काफिले के साथ राज्य की राजधानी बेंगलूरु लौट रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एस्कॉर्ट वाहन के चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया,जिससे वह (वाहन) पलट गया।

हादसे में चार लोग घायल हुए हैं और वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

भरतपुर संभाग में भारी बारिश के चलते बांधों के द्वार खोले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर संभाग के धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर और भरतपुर जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते शनिवार को सुबह पांचना बांध के चार द्वार खोल दिये गये प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बांध से 17 हजार 496 क्यूसेक जल निकासी की जा रही है। इसके साथ ही बांध के बहाव क्षेत्र के तटीय क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों के लिए चेतावनी जारी की गयी है। जल संसाधन विभाग के सूत्रों ने बताया कि पाँचना बांध के द्वार नंबर दो, तीन, चार और छह को एक-एक मीटर खोला गया है। बांध में 2500 क्यूसेक पानी की आवक के चलते इसकी भराव क्षमता 258.62 मीटर के मुकाबले जल स्तर 258.25 मीटर पर पहुंच गया है।

इससे पहले शुक्रवार रात नौ बजे 2700 क्यूसेक जल निकासी शुरू की गई थी, लेकिन सुबह पानी की आवक 17 हजार क्यूसेक होने पर बांध के चार द्वार खोलकर जल निकासी की जा रही है।

इस सत्र में पहली बार इतनी अधिक तादाद में पानी की निकासी शुरू की गई है। उधर यह पानी गंभीर नदी के रास्ते भरतपुर के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान घना तक पहुंच रहा है। भारी बारिश की बजह से धौलपुर जिले के हालात भी बदतर होते जा रहे हैं। यहां धौलपुर-करौली राष्ट्रीय राजमार्ग 11बी पर निभी का ताल के छलकने और सरमथुरा के आंगई स्थित पार्वती बांध में पानी की आवक बढ़ने पर बांध के 10 द्वार खोलकर 8803 क्यूसेक पानी की निकासी की शुरू की गई है। इसके बावजूद आज सुबह तक बांध का जलस्तर 223.41 मीटर के मुकाबले 223 मीटर बना हुआ है। पानी की निकासी के चलते बाड़ी-बसेड़ी का राष्ट्रीय राजमार्ग 11बी अवरुद्ध है। सुरक्षा की दृष्टि से यहां पुलिस बल तैनात किया गया है।

मदन दिलावर ने दूसरे दिन भी किया अपने विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार दूसरे दिन भी कोटा जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया तथा लोगों को हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान दिलावर ने अधिकारियों को ग्रामीणों को हुए नुकसान का सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी समय सिंह गुजर से कहा कि लगातार बारिश और जल भराव के कारण कई गांवों में ग्रामीणों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए है। इनका सर्वे किया जाए।

दिलावर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को बारिश के कारण मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर मिट्टी डालने के भी निर्देश दिए। अन्य निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को उनका लाभ मिल सके। उन्होंने दूसरे दिन अपना दौरा चेचट के गांव फांणदा से शुरू किया। इसके बाद खेड़ारुध्दा, आलोद, रिछी,चंद्रपुरा,ताकली डेम, चेचट, नयागांव, मनोहरपुरा तथा भटवाड़ा गांव का दौरा किया तथा बाढ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं का समाधान किया। दिलावर ने खेड़ारुद्धा ने ग्रामीणों को बताया कि कुंडाल सिंचाई परियोजना के सर्वे रिपोर्ट तैयार करने के लिए 40 लाख रुपए दिए है। उन्होंने इस दौरान बालिकाओं से उनकी शिक्षा व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली और छात्राओं को मिल रही निशुल्क यूनिफॉर्म, साइकिल वितरण, पढ़ाई फ्री, टैक्स बुक के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी योगेश पारीक, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी रामचरण मीणा, खंड विकास अधिकारी समय सिंह गुजर तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बांधों के निर्माण के लिए राज्य की हिस्सेदारी से 95 करोड़ रुपये मंजूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने यमुना जल समझौते के तहत हो रहे निर्माण कार्यों में हिस्सेदारी के रूप में 95 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यमुना बेसिन के ऊपरी भाग में स्थित रेणुकाजी (हिमाचल प्रदेश) एवं लखवार बांध (उत्तराखण्ड) के निर्माण कार्यों के लिए राज्य की हिस्सा राशि में से 95 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इससे निर्माण कार्यों को गति मिलेगी और तय समय सीमा में प्रदेश में जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। बांधों के निर्माण से राज्य के हिस्से का जल वर्ष पर्यन्त उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संसाधनों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता से राज्य में जल परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यमुना जल परियोजना चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित अन्य क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी। इससे पेयजल और सिंचाई की स्थायी सुविधा सुनिश्चित होगी। उल्लेखनीय है कि यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तीन प्रमुख बांधों का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें से वर्तमान में लखवार और रेणुकाजी बांधों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

यमुना नदी बोर्ड द्वारा इन परियोजनाओं की कुल लागत 11,320.46 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें राजस्थान की हिस्सेदारी 215.66 करोड़ रुपये है। शर्मा ने बोर्ड की मांग को ध्यान में रखते हुए 95 करोड़ रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान कर राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की है। हथिनी कुंड बैराज से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित कार्यबल की तीसरी बैठक 30 जून 2025 को पंचकूला में हुई थी। इसमें राजस्थान और हरियाणा के अधिकारियों के बीच विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य प्रबंधन शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता से जुड़े : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध सेवाओं के साथ समाज से जुड़े परिवेश की समझ, स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता आदि की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी ही बाद में राष्ट्र के भावी कर्णधार होते हैं, इसलिए उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को जयपुर स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च' के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षण संस्थान विद्यार्थी को केवल पाठ्य पुस्तकों के ज्ञान तक सीमित नहीं रखे बल्कि जीवन व्यवहार की शिक्षा दे। उन्होंने विद्यार्थियों को कॉपी करके पास होने की प्रवृत्ति की बजाय अपनी समझ से परीक्षा देने की पद्धति का विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलेगा कि विद्यार्थी बौद्धिक रूप में कितना समर्थ है।उन्होंने 'विकसित भारत' में युवाओ को महती भूमिका निभाने का भी आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को पदक और डिग्रियां प्रदान की।

सांसद हनुमान बेनीवाल के घर की काटी गई थी बिजली, मंत्री नागर बोले 'बिल नहीं जमा किया तो कार्रवाई होगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल के घर का बिजली कनेक्शन काटे जाने पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिजली विभाग की ओर से की गई कार्रवाई को बेनीवाल ने बदले की भावना से प्रेरित बताया और कहा कि बिल सेटलमेंट की प्रक्रिया चल रही थी। ऐसे में क्या यह कार्रवाई ठीक है? बेनीवाल के बयान पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि बकाया बिल पर कनेक्शन काटना सामान्य प्रक्रिया है और इसमें आम नागरिक या जनप्रतिनिधि में कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।

शनिवार को उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से समय पर बिल जमा करने की अपील की, ताकि जनता में सकारात्मक संदेश जाए। नागर ने स्मार्ट मीटर का बचाव करते हुए कहा कि यह इसीलिए लगाए गए ताकि, विधायक, मंत्रियों को इस बात की जानकारी मिल सके कि उनके यहां कितनी बिजली खपत हो रही है। स्मार्ट मीटर से बिल की पारदर्शिता बढ़ेगी और उपभोक्ता अपने खपत की निगरानी कर सकेंगे। उन्होंने साफ कर दिया है कि वीआईपी हो या फिर आम नागरिक, बिल नहीं जमा किया तो नोटिस भी जाएगा और कार्रवाई भी होगी। उनके अनुसार, अगर आम नागरिक का बिजली बिल बकाया रहने पर बिजली काट दी जाती है तो यह नियम वीवीआईपी पर भी लागू होता है।

दूसरी ओर, सांसद बेनीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के अस्पताल रोड स्थित सरकारी बंगले का विद्युत बिल 2,17,428 रुपए बकाया है। मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पूछना चाहता हूं कि मेरे नागौर स्थित सांसद कार्यालय का विद्युत कनेक्शन सेटलमेंट प्रक्रिया में होने के बावजूद आपने कटवा दिया। क्या ऊर्जा मंत्री का कनेक्शन भी अब काटेंगे? ऊर्जा मंत्री को बताना चाहूंगा कि जिनके खुद के घर शीशे के होते हैं, वो दूसरे के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते।

प्रदेश सरकार सतत् एवं सर्वस्पर्शी विकास के लिए कटिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को जोधुपर के बड़ला नगर में'हरियाळो-राजस्थान' के ब्लॉक स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम एवं लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। पटेल ने विधायक निधि से रा.उ.मा.वि. कुम्हारियानाडा में टीन शेड निर्माण कार्य एवं ग्राम पंचायत में लाइब्रेरी सहित 113.70 लाख रूपये की लागत के 31 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सतत एवं सर्वस्पर्शी विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सरकार ने एसआईटी का गठन कर पेपरलीक माफियाओं पर कड़ा प्रहार किया है। पटेल ने कहा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपये के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 3 लाख करोड़ के एमओयू का धरातल पर कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने कहा 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

पटेल ने कहा 75 हजार से अधिक सरकारी पदों पर युवाओं को नियुक्ति दी गई है। उन्होंने कहा लगभग 80 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा पुलिस उप निरीक्षक के 1 हजार पदों सहित 26 हजार पदों के लिए 2 दिन पूर्व विज्ञापन जारी किया गया है। पटेल ने कहा आरडीएसएस योजना के तहत, 132 केवी के 2 और 33 केवी के एक जीएसएस का कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में विद्युतापूर्ति का स्थाई समाधान होगा। उन्होंने कहा वर्ष 2027 तक हमारे किसान भाइयों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि हरियाळो राजस्थान राज्य को हरा-भरा बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा 'एक पेड़ माँ के नाम' के माध्यम से हम हर व्यक्ति को प्रेरित कर रहे हैं। पटेल ने कहा यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक आंदोलन है, जो हमें प्रकृति के साथ-साथ मातृत्व के प्रति भी हमारे कर्तव्यों की याद दिलाता है। उन्होंने ग्रामवासियों से आह्वान करते हुए कहा इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं और भावी पीढ़ियों को एक हरा-भरा, सुरक्षित और सुंदर राजस्थान सौंपें।

राजस्थान पुलिस का बड़ा खुलासा : अमेरिका से आए कोयले में मिलावट, करोड़ों का घोटाला उजागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार के निर्देशन में इन दिनों कई बड़ी-बड़ी कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान ने अवैध गतिविधियों और संगठित अपराधों के खिलाफ अपनी मुहिम में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम एन के नेतृत्व में एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है जो णङ- से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) में मिलावट कर रहा था। इस गोरखधंधे से सीमेंट और स्टील फैक्ट्रियों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा था।एडीजी एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को पिछले कुछ समय से णङ- से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) की चोरी की सूचनाएं मिल रही थीं। मुखबिरों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के कुछ कोयला माफियाओं ने पिण्डवाड़ा-आबूरोड नेशनल हाईवे 27 पर भुजेला स्थित तुलसी होटल के पीछे एक बंद पड़ी फैक्ट्री किराए पर ले रखी थी। ये शातिर अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे और उसकी जगह उतनी ही मात्रा में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिला देते थे। चोरी किए गए इस बेशकीमती कोयले को गिरोह द्वारा छोटी औद्योगिक इकाइयों को बेचकर लाखों रुपये की अवैध कमाई की जा रही थी।

उप महानिरीक्षक पुलिस अपराध योगेश यादव के समन्वय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद टेलर और पुलिस निरीक्षक रामसिंह ने किया। टीम ने शुक्रवार को थाना रोहिडा सिरोही को सूचित कर यह कार्रवाई कराई। पुलिस में भुजेला हाईवे स्थित तुलसी होटल के पीछे की फैक्ट्री परिसर में धावा बोला। मौके से पुलिस ने दो ट्रक, एक लोडर, एक डोजर मशीन और कोयले से भरे ट्रक की सील तोड़ने का सामान जब्त किया।

कार्रवाई के दौरान इरफान पुत्र हारून (32) निवासी मदिना सोसायटी लाजपथ नगर पुलिस थाना राधनपुर जिला पाटन गुजरात को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी इरफान ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला था। उसने बताया कि वे ट्रक ड्राइवरों से 5-7 हजार रुपये प्रति टन के हिसाब से कोयला खरीदते थे और ट्रक में नकली डस्ट कोयला मिलाकर आगे भेज देते थे। इस तरह वे प्रतिदिन लगभग 15-20 टन कोयले की चोरी कर रहे थे, जिससे उन्हें रोजाना लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की मोटी कमाई हो रही थी।

सफल कार्यवाही में शामिल प्रमुख टीम के सदस्यों में पुलिस उपाधीक्षक फूलचन्द टेलर, पुलिस निरीक्षक रामसिंह नाथावत, सहायक उपनिरीक्षक बनवारीलाल, दुष्यन्त सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, शाहीद अली, राकेश कुमार, रमेश कुमार, हेमन्त शर्मा, महावीर, कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल चालक राजेश कुमार, पुलिस निरीक्षक रेन्ज सैल उदयपुर हिमांशु सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल हिम्मत सिंह, थानाधिकारी रोहिड़ा माया पण्डित, हेड कांस्टेबल देवाराम, कांस्टेबल शंकरलाल, रमेश कुमार और चालक कांस्टेबल मोरमुकुट शामिल थे। हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना इस कार्रवाई में निर्णायक साबित हुई।

हर भागीदार बना हरियाली के यज्ञ का यजमान : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को मातृत्व और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ सघन पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अजमेर दक्षिण में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में मातृवन उद्यान में किया गया। शर्मा ने कहा कि इस अभियान में विधायक अनिता भदेल की भूमिका अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार विगत वर्ष में राज्य में 7 करोड़ 35 लाख की संख्या में पौधारोपण हो चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष भी लक्ष्य से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आरंभ किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव और जिम्मेदारी का प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति अपनी माँ की स्मृति में पौधा लगाता है तो वह उसके संरक्षण के प्रति भी संवेदनशील रहता है। उन्होंने कहा कि अब तक राज्य में आमजन द्वारा रोपित 6 करोड़ पौधों की जानकारी भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है। ये जन सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है।

शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से प्रकृति का संतुलन बिगड़ चुका है। इसके दुष्परिणाम अत्यधिक गर्मी, सूखा, वर्षा में असंतुलन के रूप में दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में वृक्षारोपण ही एकमात्र उपाय है जिससे आने वाली पीढ़ियों को हरित और सुरक्षित भविष्य दिया जा सकता है।

विधायक भदेल ने कहा कि रिमझिम वर्षा की फुहारों के बीच आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सैकड़ों नागरिकों ने भाग लेकर सहभागिता निभाई। वर्षा को इंद्र देवता का आशीर्वाद मानते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री ने पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम के तहत नीम, पीपल और बरगद जैसे छायादार व पर्यावरण अनुकूल पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि मातृवन में पूर्व में 2200 पौधे लगाए जा चुके हैं।

भाजपा वाले संविधान को कुचलने का काम कर रहे है : डोटासरा

अलवर। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाले संविधान की बात करते हैं, लेकिन वे संवैधानिक संस्थाओं को कुचलने का काम कर रहे हैं । डोटासरा शनिवार को संविधान बचाओ रैली में शामिल होने के लिए अलवर पहुंचे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा सरकार जब सत्ता में आयी थी तो उसके नेताओं ने किसानों की आमदनी दुगुना करने, बेरोजगारों को रोजगार देने जैसी बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन सब हवा-हवाई हो गयीं।

डोटासरा ने कहा कि विपक्ष के नेताओं के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आय कर और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का छापा पड़वा दिया जाता है। जो विपक्षी नेता भाजपा में शामिल हो जाता है, उसके खिलाफ कार्रवाई रोक दी जाती है। उन्होंने कहा, ये भाजपा वाले कौन से हरिश्चंद्र पैदा हुये हैं। दूसरी पार्टी के नेता भाजपा में जाते ही हरिश्चंद्र बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव, नगर निकायों चुनाव नहीं कराये जा रहे हैं। राजस्थान के हालात खराब हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बस में कुछ नहीं है। उनमें क्षमता नहीं है। दिल्ली से पर्ची की सरकार बनी है और शर्मा खुद के विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना के हाथ बंधे हुये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कहने से युद्धविराम किया गया। ट्रम्प कई बार यह बयान दे चुके हैं। व्यापार को लेकर बात हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी हमला बोलते हुए कहा कि देश का प्रधानमंत्री व्यापार करने के लिए नहीं बनाया है।

असम में भाजपा सरकार बांग्ला भाषियों को धमका रही है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को असम में वहां की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बांग्ला भाषियों को ''धमकाने'' का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी राज्य के बांग्ला भाषी ''सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व'' चाहते हैं। बनर्जी ने यह भी कहा कि असम में भाजपा का ''विभाजनकारी एजेंडा सभी सीमाओं को पार कर गया है''।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष बनर्जी केंद्र और भाजपा शासित राज्यों पर बांग्ला भाषी प्रवासियों को ''अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या' बताकर व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाती रही हैं। बनर्जी ने कहा, '' देश में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा, बांग्ला, असम की भी दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। सभी भाषाओं और धर्मों का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहना चाहने वाले नागरिकों को अपनी मातृभाषा का पालन करने के लिए उत्पीड़न की धमकी देना भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक है।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम में भाजपा का यह विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर चुका है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। मैं हर उस निडर नागरिक के साथ खड़ी हूं, जो अपनी भाषा और पहचान की गरिमा और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है।''

अतिक्रमण और तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर

बंगाल के भविष्य से समझौता कर रही हैं ममता बनर्जी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सत्ता में बने रहने के लिए एक ''विशेष समुदाय'' द्वारा अतिक्रमण को बढ़ावा देकर और उसका तुष्टिकरण करके अपने राज्य के भविष्य से समझौता करने का आरोप लगाया।

शर्मा ने कहा कि असम में कोई भाषाई विभाजन नहीं है और उनकी सरकार राज्य की विरासत और उसके लोगों को संरक्षित करने के लिए संघर्ष करती रहेगी। भाजपा नेता शर्मा ने यह बात बनर्जी की उस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कही, जिसमें उन्होंने असम सरकार पर बांग्ला भाषी लोगों को ''धमकाने'' और भाजपा पर ''विभाजनकारी एजेंडे'' पर काम करने का आरोप लगाया था। बनर्जी के पोस्ट का जवाब देते हुए शर्मा ने लिखा, ''दीदी, मैं आपको याद दिला दूं – असम में हम अपने ही लोगों से नहीं लड़ रहे हैं। हम सीमा पार से अनियंत्रित मुस्लिम घुसपैठ का निडरता से विरोध जारी रखे हुए हैं, जिसने पहले ही खतरनाक जनसांख्यिकीय बदलाव ला दिया है।'' कई जिलों में हिंदू अब अपनी ही जमीन पर अल्पसंख्यक बनने की कगार पर हैं। शर्मा ने दावा किया कि यह कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक हकीकत है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने इस तरह की घुसपैठ को बाहरी आक्रमण करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''और फिर, जब हम अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए उठते हैं, तो आप उसका राजनीतिकरण करने का चयन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम लोगों को भाषा या धर्म के आधार पर नहीं बांटते। असमिया, बांग्ला, बोडो, हिंदी – सभी भाषाएं और समुदाय यहां सह-अस्तित्व में रहे हैं। लेकिन कोई भी सभ्यता जीवित नहीं रह सकती, अगर वह अपनी सीमाओं और अपनी सांस्कृतिक नींव की रक्षा करने से इनकार कर दे।'' शर्मा ने दावा किया कि असम सरकार राज्य की पहचान को बनाए रखने के लिए निर्णायक रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, ''दीदी आपने, सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिए- एक विशेष समुदाय द्वारा अतिक्रमण को प्रोत्साहित किया, वोट बैंक के लिए एक धार्मिक समुदाय को खुश किया और सीमा पर घुसपैठ के बावजूद चुप रहीं, जो राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचा रहा है – यह सब करके बंगाल के भविष्य के साथ समझौता किया है।''

नीतीश ने गंगा के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण करने के लिए पटना के कई घाटों का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में गंगा नदी के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण करने के लिए कई घाटों का शनिवार को दौरा किया और अधिकारियों से सतर्क रहने तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। मुख्यमंत्री ने कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंगन घाट, एलसीटी घाट, एनआईटी घाट और नासरीगंज घाट का दौरा किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने राजधानी पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर विभिन्न घाटों पर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों को स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और सतर्क रहने के लिए कहा है।'' उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि जल स्तर और बढ़ता है तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को दूसरे स्थानों पर भेजा जाएगा। हाल ही में हुई बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर मनेर, गांधी घाट, हाथीदह और कुछ अन्य स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर पहुच गया है। इन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य भर में विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जे.पी. गंगा पथ पर एलसीटी घाट के पास एक पार्क के विकास के लिए जारी कार्य का भी निरीक्षण किया। यह पार्क पटना स्मार्ट सिटी परियोजना का हिस्सा है।

अखिलेश यादव ने हमेशा हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत करने का काम किया : भूपेंद्र चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने (अखिलेश) हमेशा हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम किया है।

बरेली पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन को सपा द्वारा विवादित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अंदेशा जाहिर किया कि ''कांवड़ यात्रा को लेकर जो घटनाएं हो रही हैं, हो सकता है वो एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा हो।'' चौधरी ने सपा प्रमुख पर आरोप लगाते हुए कहा कि ''अखिलेश यादव ने हमेशा हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम किया है। उनके नेता हिंदू धर्म, धर्मगुरुओं, साधु-संत और धार्मिक किताबों के बारे में आलोचना करते रहे हैं, उनका चरित्र समाज में सनातन विरोधी है, यह जग जाहिर है।'' उन्होंने कहा कि सपा का चरित्र हमेशा हिंदू समाज से जुड़े मुद्दों पर विवादित टिप्पणी करने वाला रहा है। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सपा सरकार में कांवड़ यात्रा रोक दी जाती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बेहतर कानून-व्यवस्था और सबके साथ समान व्यवहार हो रहा है। चौधरी ने कहा, ''कांवड़ यात्रा करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी हुई है। सरकार ने लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्था को ध्यान में रखते हुए इसे शांतिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।''

भेदभाव और नफरत की राजनीति करती है भाजपा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भेदभाव और नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

सपा मुख्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में यादव ने कहा, ''भाजपा सरकार में पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के साथ हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और उसके नेताओं का रवैया भेदभावपूर्ण तथा अलोकतांत्रिक है, सरकार अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी कार्य कर रही है और जनता यह सब देख रही है। यादव ने कहा, ''जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के सांप्रदायिक और नफरती एजेंडे की हवा निकाली है। अगली बार कुछ लोगों का भूत बूथों पर उतर जाएगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा सरकार ने नौ साल के कार्यकाल में किसानों, नौजवानों और महिलाओं सभी को धोखा दिया है। विकास और रोजगार के लिए कोई कार्य नहीं किया। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बढ़ाया है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''भाजपा ने जनता से झूठे वादे किये थे और सरकार के पास जनता से जुड़े सवालों का जवाब नहीं है। आज नौजवानों के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। भाजपा सरकारी विभागों का निजीकरण कर नौकरियां और आरक्षण खत्म कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कहा कि किसानों को खाद, पानी और कीटनाशक दवाएं तक नहीं मिल रही है। प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है।

अवैध धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 10 लोग गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बड़े पैमाने पर अवैध धर्मांतरण कराने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर इस सिलसिले में छह राज्यों से 10 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, इस गिरोह में संलिप्त 10 व्यक्तियों को उत्तर प्रदेश समेत देश के छह राज्यों से गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले की जांच मार्च में आगरा में तब शुरू की गई जब 33 वर्ष और 18 वर्ष की उम्र की दो बहनों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई। जांच में खुलासा हुआ कि इन बहनों का कथित तौर पर जबर्दस्ती धर्म परिवर्तन कराया गया। इनमें से एक युवती ने एक हथियार के साथ सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर भी पोस्ट की थी। आगरा के पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने कहा, प्रारंभिक जांच में पाया गया कि लव जिहाद में शामिल एक गिरोह द्वारा इन बहनों को निशाना बनाया गया था। हमें इनकी फंडिंग अमेरिका और कनाडा से होने का सुराग भी मिला।

आगरा पुलिस ने इस संबंध में पश्चिम बंगाल से दो, गोवा से एक, उत्तराखंड से एक, दिल्ली से एक, राजस्थान से तीन और उत्तर प्रदेश से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों ने इस जटिल नेटवर्क के भीतर विविध भूमिकाएं निभाई हैं। इनकी गतिविधियों में अवैध रूप से धन प्राप्त करना, धर्म परिवर्तन के लिए सुरक्षित घर उपलब्ध कराना, कानूनी सलाह की पेशकश करना और अन्य तरह की सहायता उपलब्ध कराना है। इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेषज्ञ इकाइयों- एसटीएफ और एटीएस को जांच में सहयोग के लिए शामिल किया गया। यह कार्रवाई मिशन अस्मिता के तहत की गई जिसका उद्देश्य ऐसे अवैध गिरोह को ध्वस्त करना है।

त्रिपुरा में अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए एसआईटी का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के पश्चिम त्रिपुरा जिले में बांग्लादेश और म्यांमा से आने वाले प्रवासियों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने के लिए 15 सदस्यीय विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया है। टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने इस कदम के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया और स्थानीय लोगों से ऐसे किसी भी अवैध प्रवासी की सूचना देने को कहा।

इस कार्य के लिए गठित 15 सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व एक वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक कर रहे हैं, जबकि सभी पुलिस थानों के प्रभारी अधिकारी (ओसी) भी इसमें शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने एक आधिकारिक आदेश में कहा, '' अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों/रोहिंग्याओं के निर्वासन के वास्ते पश्चिम त्रिपुरा जिला पुलिस के लिए एक जिला-स्तरीय विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया गया है, ताकि जिले में बसे या पकड़े गए बांग्लादेशी/म्यांमा के प्रवासियों का पता लगाया जा सके, उनकी पहचान की जा सके और उन्हें निर्वासित किया जा सके।'' पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने कहा, '' यदि पूछताछ के बाद किसी व्यक्ति की पहचान अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक या रोहिंग्या के रूप में की जाती है, तो संबंधित टीम के सदस्य तुरंत उनके बायोमेट्रिक्स (उंगलियों के निशान और चेहरे की तस्वीरें) और जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे तथा उन्हें विदेशियों के पहचान पोर्टल पर अपलोड करें।''

बिहार में अब पांच अमृत भारत ट्रेन हैं, देश में किसी भी राज्य में सबसे अधिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुक्रवार को चार गैर-वातानुकूलित अमृत भारत ट्रेन की शुरुआत किए जाने के बाद बिहार से चलने वाली ऐसी ट्रेन की संख्या बढ़कर पांच हो जाएगी। अत्याधुनिक तकनीक वाली ये ट्रेन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई हैं।

इसके साथ ही, बिहार से चलने वाली ऐसी ट्रेन की संख्या देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे अधिक हो गई है, जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। शुक्रवार को शुरू की गईं ट्रेन से पहले, बिहार में दो अमृत भारत ट्रेन थीं – एक दरभंगा और दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल के बीच, जिसकी शुरुआत 2023 में हुई थी और दूसरी मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सहरसा तक चलने वाली, जिसकी शुरुआत 24 अप्रैल, 2025 को हुई थी।

अधिकारियों ने बताया कि अब यह संख्या बढ़कर पांच हो गई है। उन्होंने कहा कि ये चार नई ट्रेन पहले वाली ट्रेन का उन्नत संस्करण हैं, जो बेहतर यात्री सुविधाएं जैसे बेहतर आराम और बेहतर सुरक्षा प्रौद्योगिकी सुनिश्चित करेंगी। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, ''राजेंद्र नगर (पटना के पास) – नई दिल्ली अमृत भारत ट्रेन लगभग 1,000 किलोमीटर की दूरी लगभग साढ़े 17 घंटे में तय करेगी और स्लीपर श्रेणी में पूरी यात्रा का किराया 560 रुपए होगा। इसकी नियमित सेवा 31 जुलाई से शुरू होगी।'' अधिकारी ने कहा, ''दूसरी ट्रेन, बिहार के बापूधाम मोतिहारी और आनंद विहार (नई दिल्ली) के बीच चलेगी। यह भी 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और स्लीपर श्रेणी के लिए पूरी यात्रा का किराया 555 रुपए होगा। इसकी नियमित सेवा की घोषणा अभी नहीं की गई है और इसकी घोषणा अलग से की जाएगी।''

उन्होंने कहा, ''बिहार के दरभंगा और उत्तर प्रदेश के गोमती नगर के बीच तीसरी ट्रेन में गैर-एसी स्लीपर श्रेणी के लिए पूरी यात्रा का किराया 415 रुपए होगा और इसकी सामान्य सेवा 26 जुलाई से शुरू होगी।'' चौथी अमृत भारत ट्रेन का उद्घाटन बिहार के भागलपुर से हुआ लेकिन यह 24 जुलाई से पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन और गोमती नगर के बीच साप्ताहिक रूप से चलेगी।

ओडिशा में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं : सोमन्ना

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शनिवार को कहा कि ओडिशा में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 2025-26 के बजट में राज्य को 10,599 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो 2009-14 के दौरान आवंटित किए गए 838 करोड़ रुपए से 12.5 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2,379 करोड़ रुपए की लागत से 59 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में आठ नई रेलवे परियोजनाओं, मल्टीट्रैकिंग और फ्लाईओवर कार्यों के लिए 25,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। सोमन्ना ने भुवनेश्वर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्वी तट रेलवे (ईसीओआर) के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल भी उनके साथ थे।

पूर्वोत्तर में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क देश के लिए गंभीर खतरा : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क देश के लिए एक गंभीर खतरा है।

मिजोरम में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप जब्त करने के लिए असम राइफल्स की सराहना करते हुए, सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं मिजोरम में समन्वित अभियान के लिए असम राइफल्स और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की सराहना करता हूं, जिसके कारण 36.79 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। ऐसी निर्णायक कार्रवाई सराहना की हकदार है।

सिंह ने कहा, पूर्वोत्तर में सक्रिय यह विशाल मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क हमारे देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने मणिपुर में मादक पदार्थों की तस्करी और अफीम की खेती के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया था। यह लड़ाई और भी तत्परता से जारी रहनी चाहिए। असम राइफल्स ने एक बयान में कहा कि 17 जुलाई को बल ने एनसीबी के साथ मिलकर मिजोरम के ज़ोखावथर में 36.79 करोड़ रुपए मूल्य की 642 ग्राम हेरोइन और 10 किलोग्राम 'मेथामफेटामाइन टैबलेट' जब्त कीं।

कमल चावला ने वर्ल्ड 6-रेड स्नूमें जीत से शुरूआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मनामा (बहरीन)/भाषा। भारत के कमल चावला ने शनिवार को यहां विश्व 6-रेड स्नूकर के ग्रुप 'ए' में बहरीन के जाफर अलराईस पर 4-2 की आसान जीत से शुरुआत की। अंडर-21 वर्ग में बेंगलूरु के मयंक कार्तिक, आरव सांचेती और मयूर गर्ग ने अपने ग्रुप में जीत दर्ज की। भारत के ब्रिजेश दमानी शुक्रवार देर रात आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप के मास्टर्स फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद आसिफ से 3-4 से हार गए।

तृणमूल की कार्यशैली भारत की संस्कृति और लोकाचार के अनुरूप नहीं : समिक भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए पश्चिम बंगाल में धार्मिक मतभेद पैदा करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही है और भारत के मूल लोकाचार का उल्लंघन कर रही है, जहां 'भारत' व 'राम' अविभाज्य हैं।

भट्टाचार्य शुक्रवार को दुर्गापुर में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'जय मां दुर्गा' और 'जय मां काली' का नारा लगाए जाने पर तृणमूल कांग्रेस की आलोचना का जवाब दे रहे थे। मोदी की रैली के बाद टीएमसी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि पार्टी अपने पहले के नारे 'जय श्री राम' को दरकिनार कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि राम मोदी समेत हर भाजपा कार्यकर्ता और करोड़ों भारतीयों के दिलों में गहराई से बसे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत राम है, राम भारत है। भारत का पूरा भावनात्मक ताना-बाना रामायण से जुड़ा है। लेकिन भारत की जड़ों और संस्कृति से अलग तथा तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त टीएमसी हमारे राष्ट्र की बहुलतावादी प्रकृति को समझने में विफल है।'' भारत से परे रामायण के सांस्कृतिक प्रभाव का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''इंडोनेशिया में, कई महलों पर हमारे महाकाव्य रामायण के पात्रों के नाम अंकित हैं। भारत इस बहुलवादी डीएनए को साझा करता है। फिर भी, टीएमसी मां काली और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के जरिये राजनीतिक लाभ लेती है।'' पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद ऐसी राजनीति जारी नहीं रहने का संकल्प लेते हुए उन्होंने कहा, ''बंगाल में मौजूदा कलह टीएमसी की राजनीति के तौर-तरीके के कारण है। हम एक ऐसे बंगाल की शुरुआत करेंगे जहां दुर्गा पूजा विसर्जन और मुहर्रम का शांतिपूर्ण जुलूस एक ही दिन एक ही रास्ते से निकलेगा।''

शुभेंदु अधिकारी जैसी कट्टर छवि के विपरीत भाजपा में उदारवादी रुख के लिए पहचाने जाने वाले भट्टाचार्य ने कहा कि टीएमसी हालिया हिंसा के लिए जिम्मेदार मुस्लिम समुदाय के भीतर ''कट्टरपंथी तत्वों'' को बढ़ावा दे रही है।

ओडिशाः बदमाशों ने 15 साल की लड़की को आग लगाई

एम्स-भुवनेश्वर में किया जा रहा पीड़िता का उपचार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी जिले में शनिवार को अज्ञात लोगों ने 15 वर्षीय एक लड़की को आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लड़की को गंभीर हालत में एम्स-भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि लड़की 70 प्रतिशत तक झुलस चुकी है और बोल नहीं पा रही है। उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रभाती परीडा ने कहा कि सरकार लड़की के इलाज का खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस को दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए हैं।

तकनीक में सामंजस्य बिठाने से राहुल को इंग्लैंड में मिली सफलता : शास्त्री

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि 'फ्रंटफुट' तकनीक में बदलाव से केएल राहुल को इंग्लैंड में बल्लेबाजी में सफलता मिल रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन चार साल तक वह इसी लय को बनाये रखेंगे ।

राहुल ने तीन टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से 375 रन बनाये हैं । वह अब तक श्रृंखला में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जैमी स्मिथ के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं । शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मुझे लग रहा है कि उसने फ्रंट फुट की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है । इसके अलावा डिफेंस के समय स्टांस भी बदला है ।'' उन्होंने कहा कि नई तकनीक से उनके बोल्ड या पगबाधा

आउट होने की संभावना भी कम हुई है ।

शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड के हालात में स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिये भी राहुल के पास तकनीक है । उन्होंने कहा ,'' वह तकनीक का धनी है । अभी तक गेंद में इतना मूवमेंट दिखा नहीं है लेकिन अगर गेंद मूव भी करती है तो उसके पास इसका सामना करने की तकनीक है। दुनिया में ऐसा कोई नहीं होगा जिसने यह कहा हो कि राहुल के पास प्रतिभा नहीं है । गुस्सा इस बात का था कि इतना प्रतिभाशाली होते हुए भी वह प्रदर्शन नहीं दे पा रहा लेकिन इस श्रृंखला में उसे शानदार लय में देखा है ।''

शास्त्री ने उम्मीद जताई कि उसका बल्लेबाजी औसत अगले कुछ साल में 50 के आसपास रहने वाला है । उन्होंने कहा ,'' वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है । अगले तीन चार साल अगर इसी तरह खेलता रहा तो कई शतक बनायेगा क्योंकि वह भारत में भी काफी क्रिकेट खेल रहा है । उसका औसत 50 के आसपास रहना चाहिये ।'' राहुल अभी तक 61 टेस्ट में 35 . 3 की औसत से 3632 रन बना चुका है जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं।

सुविचार

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है, और आत्म-सम्मान वह नींव है जिस पर आत्मविश्वास खड़ा होता है।

ट्वीट

आज दूसरे दिन भी रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आपदा से प्रभावित ग्रामीणों की स्थिति का जायज़ा लिया। इस दौरान स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शीघ्रता से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण करें ।

-मदन दिलावर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का परिवार चाहता था कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, इसलिए उनका एडमिशन विसनगर के नामी एमएन कॉलेज में करवाया गया, यहां मोदी जी का ननिहाल भी था। लेकिन कॉलेज की पढ़ाई उन्हें पसंद नहीं आई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

कथा एक खास सुई की

इसाक बशेविस सिंगर

अनुवाद – ममता जोशी

मेरे प्यारे लोगों, आजकल सारी शादियाँ श्रीमान प्यार के माध्यम से ही तय होती हैं। जवान जोड़े घूमते फिरते हैं, प्यार के बंधन में बंध जाते हैं। थोड़े दिन बाद से ही लड़ाई झगड़े शुरू हो जाते हैं और फिर एक दूसरे से नफ़रत करने लगते हैं। मेरे समय में माता पिता और शादी तय करने वाले बिचौलिये के निर्णय पर ही भरोसा किया जाता था। मैंने भी तो अपने टोडी को शादी के बाद ही देखा था। चलो! इसी बात पर तुम्हें एक कहानी सुनाती हूँ। रूबशॉ शहर में रेब लेमेल वेगमेइस्टर नाम का एक बेहद अमीर आदमी रहता था। उसकी पत्नी, एस्थर रोज़ा, बहुत सुंदर थी और अपने बालों के ऊपर हमेशा एक काली लेस का दुपट्टा ओढ़े रहती। गोरी चिट्टी, काली आँखों वाली एस्थर रशियन, पोलिश, जर्मन और शायद फ्रेंच भाषा की भी जानकारी रखती थी, पियानो भी बजाती थी।

उनका एक ही बेटा था, बेन ज़ायोन। माँ-बेटा स्वभाव और पसंद-नापसंद के मामले में एकदम दो बूँदों के समान – एक जैसे।

बेन आकर्षक लिबास में जब भी शाम को घूमने निकलता, तो उसका गोरा रंग, काले बाल और स्वस्थ कद-काठी देखकर जवान लड़कियाँ दिल थाम कर रह जातीं और खिड़कियों के पीछे छिप कर उसे ताकतीं। अकूत संपत्ति का अकेला वारिस, घर का काम काज देखने के लिए अनेक कार्यकर्त्ता थे, लिहाजा एस्थर अपने बेटे के लिए दिन भर एक अच्छी बहू लाने के ख्वाब देखती। कोई लड़की सुंदर नहीं लगती थी तो कोई बुद्धिमान नहीं थी। आधे पोलैंड की सुंदर लड़कियों में कोई न कोई कमी निकाल कर एस्थर कुछ खास गुण वाली कन्या ढूँढ़ने के फिराक में थी।

मैं नहीं चाहती कि कोई मेरे बेंजी को सताए। अगर औरत रूखी और बदजुबान होती है तो पति को ही जिंदगी भर का दुख झेलना पड़ता है।

उन्नीस वर्षीय बेन की सगाई नहीं हुई थी। उन दिनों के हिसाब से बेन बूढ़ा हो चला था। उसके के पिता का कहना था कि माँ की मीन-मेख निकालने की आदत की वजह से लड़का शायद कभी शादी ही न कर पाए।

एक दिन एस्थर ने मुझसे कहा, ज़ेलडेल, क्या तुम मेरे साथ जामोस्क चलोगी?

वहाँ मैं क्या करूँगी? मैंने पूछा।

उससे तुम्हें क्या! तुम मेरी मेहमान बनकर रहोगी। एस्थर बोली।

एस्थर की निजी घोड़ागाड़ी थी पर आज वह साधारण गाड़ी में यात्रा कर रही थी। शानदार कपड़े छोड़ कर सादे कपड़े पहने थी और महँगी लेस के दुपट्टे की जगह मामूली स्कार्फ ओढ़े हुई थी। जरूर बहू की तलाश में उसने अपना वेश बदला होगा पर एस्थर से कौन पूछ सकता था। मन होगा तो बताएगी नहीं तो निशब्द चुप्पी। मैं तो क्या, किसी की भी पूछने की जुर्रत नहीं होगी!

रास्ते में उतर कर, हम दोनों बेरिश लुबलिनर की मशहूर दुकान पर चल कर पहुँचे। उस स्टोर में सब कुछ उपलब्ध था – सुई, धागा, स्वेटर बनाने के लिए ऊन और तमाम तरह का रोजमर्रा का सामान। स्टोर के एक कोने में एक व्यक्ति, जो शायद दुकान का मालिक था, बहीखाते में हिसाब लिख रहा था। दूसरे छोर पर बने काउंटर के पीछे एक लड़की खड़ी थी। उसकी आँखों में जैसे एक ज्वाला धधक रही थी।

आप लोग यहाँ अजनबी हैं? मैं आपके लिए क्या कर सकती हूँ?

हाँ! हम बाहर से आए हैं, एस्थर ने कहा।

क्या दिखाऊँ आपको?

एक सुई, एस्थर बोली।

जैसे ही एस्थर ने सुई की फरमाइश करी, लड़की आग बबूला हो गई।

दो औरतें और एक सुई?, उसने तंज किया।

लड़की की नाराजगी एक तरह से सही थी। सुबह सुबह बोहनी के समय अगर कोई ग्राहक सिर्फ सुई की माँग करे तो व्यापारियों का मानना था की पूरे हफ्ते अपशकुन होता है। हाँ, अगर सुई के अलावा साथ में बटन, धागा इत्यादि भी हो तो व्यापार में कोई नुकसान नहीं होगा।

हाँ, पर मुझे केवल एक सुई ही चाहिए, एस्थर रोज़ा जैसे अड़ गई थी। लड़की ने सुई का एक पूरा डब्बा सामने रख निकाल कर दिया।

कुछ और सुइयाँ भी होंगी तुम्हारे पास, एस्थर ने आग्रह किया।

इनमें क्या खराबी है? लड़की ने खिसिया कर कहा।

इनके छेद छोटे है। मुझे धागा डालने में दिक्कत महसूस होगी।

मेरे पास यही है, लड़की ने गुस्से में तमतमाते हुए कहा, अगर आप देख नहीं सकती तो अपने लिए चश्मा क्यों नहीं बनवा लेतीं?

एस्थर रोज़ा भी टस से मस नहीं हुई।

क्या तुम दावे के साथ कह सकती हो कि और सुई नहीं हैं?

इस बार लड़की ने दूसरा डब्बा काउंटर पर लगभग पटक कर दिखाया।

अरे! इन सुइयों में भी धागा मुश्किल से डलेगा।

इस पर लड़की ने डब्बा अपनी ओर खींच कर चिल्लाते हुए कहा, आप लुबलिन जा कर अपने लिए खास सुई कि फरमाइश क्यों नहीं करती हैं?

इस बात पर स्टोर में खड़ा मालिक हँसकर बोला, लगता है आपको जूट का बोरा सिलने के लिए मोटी सुई चाहिए।

लड़की ने चीख कर कहा, हिम्मत तो देखो, धेले भर के पैसे के लिए इतना नखरा दिखते हैं लोग।

एस्थर रोज़ा ने लड़की को परख लिया था। मेरी ओर देख कर एस्थर ने कहा, चलो ज़ेलडेल! न तो मुझे रूखा बोरा सिलना हैं न ही बोरे जैसी रूखी लड़की झेलनी है।

चलते समय लड़की ने पीछे से जोर से कहा, कैसे कैसे गँवारों से पाला पड़ता है। अच्छा हुआ मुक्ति मिली।

स्टोर में जो भी हुआ, मुझे अच्छा नहीं लगा। मुँह का स्वाद कसैला सा हो गया।

एस्थर रोज़ा पर जैसे इस बार पक्की तरह से बहू ढूँढ़ने का भूत सवार था। इस बार उसने रेब ज़ेलिग इबित्ज़ेर के स्टोर में धावा बोला। पहले वाले स्टोर के मुकाबले यह दुकान छोटी थी। यहाँ भी एक लड़की काउंटर के पीछे थी, लाल-लाल बाल, हरी आँखों वाली, प्यारी लेकिन चेहरे पर छिटके थे कई छोटे, बड़े तिल। एस्थर रोज़ा ने वही सवाल करने शुरू किए।

क्या सुई मिलेगी?

जवाब मिला, जी हाँ! हम सब प्रकार की चीजें बेचते हैं!

मुझे बड़े छेद वाली सुई चाहिए क्योंकि मुझे साफ दिखाई नहीं देता।

मैं आपको सभी तरह की सुइयाँ दिखा देती हूँ, जो आपको ठीक लगे, आप ले लीजिएगा।

एक चोर की तरह मेरा दिल धड़क रहा था। लड़की एक साथ दस डब्बे लेकर आई और बोली, अरे! आप खड़ी क्यों हैं? यह स्टूल लीजिए और कृपया बैठ जाइए।

एस्थर ने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, यह क्या? डब्बे में सारी सुइयाँ तो मिली जुली रक्खी हैं!'

मुझे पता था एस्थर इस लड़की के भी सब्र का इम्तिहान ले रही थी।

जब कारखाने से सुइयाँ आती हैं तो अलग होती हैं पर ग्राहकों को दिखाने में सब धीरे धीरे मिल जाती हैं।

यहाँ अँधेरा है, मुझे ठीक से दिखाई नहीं दे रहा एस्थर ने फिर कोई नुक्स निकाला।

लाइए! मैं आपका स्टूल उजाले की ओर रख देती हूँ, लड़की ने बिना किसी झुँझलाहट के कहा।

कौड़ी के मोल की सुई के लिए तुम इतनी मेहनत क्यों कर रही हो?

लड़की ने जवाब में कहा, तालमुद में कहा गया है कि चाहे कौड़ी के मोल का सामान हो या लाखों का, उसूल एक ही होना चाहिए यानी कि ग्राहक की खुशी सर्वोपरि होनी चाहिए। देखिए न! आज आप एक सुई के लिए आई हैं, कल शायद आप दहेज के लिए महँगा साटन का कपड़ा खरीदने आ जाएँ?

अच्छा! अगर ऐसी बात है तो बेरिश लुबलिनर के स्टोर के मुकाबले यहाँ तो कोई दिखाई नहीं देता। वहाँ तो भीड़ लगी रहती है, एस्थर ने जान कर दिल दुखाने वाली बात करी।

लड़की गंभीर हो उठी, मुझे लगा एस्थर हद से ज्यादा रुखाई से पेश आ रही थी।

सब कुछ ईश्वर की कृपा से होता है, लड़की ने उसी शांत भाव से उत्तर दिया।

एस्थर अपना स्टूल उठाने के लिए आगे बड़ी।

नहीं! रहने दीजिए। मैं रख दूँगी। आप तकलीफ मत कीजिए

रुको! मैं तुमसे कुछ कहना चाहती हूँ!, एस्थर ने लड़की को रोक कर कहा।

आप क्या कहना चाहती हैं?, घबरा कर लड़की ने स्टूल पर बैठते हुए कहा।

मैं तुम्हें अपनी बहू बनाना चाहती हूँ!

लड़की का रंग खड़िया की तरह सफ़ेद हो गया। घबरा कर बोली, मैं समझी नहीं?

तुम मेरी बहू बनोगी, एस्थर ने प्यार से कहा, मैं रूबशॉ के मशहूर रेब लेमेल वेगमेइस्टर की पत्नी हूँ और यहाँ सुई ढूँढ़ने नहीं, बल्कि अपने एकलौते बेटे के लिए बहू ढूँढ़ने आई थी। अभी रेब बेरिश की जो लड़की मैंने देखी, वह निहायत ही असभ्य और एक खुरदुरे पावदान जैसी थी। तुम रेशम सी कोमल हो। तुम ही मेरे बेंजी की बहू बनोगी। अपना सर झुकाओ! बेटी, मैं तुम्हें यह माला पहनाना चाहती हूँ। यह तुम्हारी सगाई की निशानी है।

लड़की के माता पिता को जब सगाई की खबर मिली तो वह भागते हुए स्टोर में आए। वातावरण में बधाई और खुशी के संदेश गूँजने लगे। किसी ने रेब बेरिश की लड़की, इट्टी, को भी सगाई का संदेश दिया वह दुख के मारे फूट फूट के रो पड़ी।

एस्थर ने अपने बेटे की शादी खूब धूमधाम से संपन्न की। मैंने तो सगाई और शादी में जी भर के नृत्य किया। दूल्हा-दुल्हन का जोड़ा फाख्ता चिड़ियों की तरह आजीवन प्यार में डूबा रहा। एक वर्ष बाद एक सुंदर संतान हुई। एस्थर रोज़ा का चुनाव सौ प्रतिशत सही निकला।

और आपको बताऊँ कि इट्टी का क्या हुआ? किस्मत जब खराब होती हे तो सब कुछ उल्टा पुल्टा होता जाता है। जिस दिन से इट्टी को पता चला कि एस्थर रोज़ा ने उसे सुई की वजह से त्याग दिया था, उस दिन से वह गहरे सदमे में थी। उसने ग्राहकों को सामान बेचना छोड़ दिया। वह दिन रात उसी बात को याद करके रोती थी। शादी तय करने वाले बिचौलिये उसके लिए कई प्रस्ताव लेकर आते पर वह इनकार कर देती। उसकी स्टोर में दिलचस्पी खत्म होने से व्यापार में भारी घटा हुआ। कुछ वर्षों अवसाद में बिताने के बाद उसने लुबलिन के एक तलाकशुदा व्यक्ति से शादी रचा ली। उसके संतान नहीं हुई। जीवन के सारे दुर्भाग्यों को वह एस्थर रोज़ा की बहू, फ्रीडा गिट्टेल, के मत्थे मढ़कर उसको कोसती, और मानसिक परेशानियों के चलते, नीम हकीम और वैद्यों के अलावा चिकित्सकों के पास किसी न किसी बीमारी का निदान पाने के लिए भागती रहती थी।

एक दिन कपड़ा सीने के दौरान, सुई में धागा डालने के लिए उसने सुई अपने मुँह में दबाई। तत्काल उसे गले में चुभन महसूस हुई और सुई गायब हो गई। कहा जाता है शरीर में रक्त के प्रवाह के साथ सुई घूमती रहती है।

दिन रात इट्टी चीखती रहती। उसे लगता जैसे शरीर में अलग अलग हिस्सों में सुई चुभ रही है। कोई कहता उसकी अंतरात्मा उसे कचोट रही है। कोई कहता उसके बुरे कर्मों का फल है।

बहुत कष्ट सहने के बाद इट्टी विएना गई जहाँ के नामी सर्जन ने शल्य चिकित्सा से उसकी सुई निकाली और उसको प्रमाण के रूप में सुई दिखाई। अब सच में सुई निकली थी की नहीं, मैं कह नहीं सकती क्योंकि मै वहाँ नहीं थी पर इसका प्रभाव अच्छा ही रहा। इट्टी मानसिक रूप से ठीक हो गई।

वापस आकर इट्टी पहले जैसी स्वस्थ हो गई। वह कभी माँ न बन सकी। माता पिता उसके चल बसे थे। व्यापार ठप्प हो चुका था। उसने फिर से स्टोर खोला और अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा लौटाने में वह सफल हुई। जो वार्तालाप उसके और एस्थर के बीच कभी घटा था, वह इट्टी द्वारा कभी दोहराया नहीं गया। जो भी उसके स्टोर में आता, चाहे कितने भी कम दाम का सामान खरीदता, इट्टी उससे विनम्रता से बात करती और उसे बैठने के लिए कुर्सी जरूर देती। एक सुई ने कैसे लोगों की किस्मत बदल दी! दिखने में थी तो तुच्छ पर सुई थी बड़ी कमाल की!

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्

।। चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम।।

गुरु द्वारा परिचय पूछे जाने पर बाल्यावस्था में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वारा दिया गया उत्तर निर्वाण षटकम कहलाया। वेद और वेदांतों का मानो सार है निर्वाण षटकम। इसका पहला श्लोक कहता है,

मनोबुदध्यहङ्कार चित्तानि नाहं
न च श्रोत्रजिह्वे न च घ्राणनेत्रे ।
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायुः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

मैं न मन हूँ, न बुद्धि, न ही अहंकार। मैं न श्रवणेंद्रिय (कान) हूँ, न स्वादेंद्रिय (जीभ), न घ्राणेंद्रिय (नाक) न ही दृश्येंद्रिय (आँखें)। मैं न आकाश हूँ, न पृथ्वी, न अग्नि, न ही वायु। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ।

मनुष्य का अपेक्षित अस्तित्व शुद्ध आनंदमय चेतन ही है। आनंद से परमानंद की ओर जाने के लिए, चिदानंद से सच्चिदानंद की ओर जाने के लिए साधन है मनुष्य जीवन। सर्वसामान्य मान्यता है कि यह यात्रा कठिन है। असामान्य यथार्थ यह कि यही यात्रा सरल है।

इस यात्रा को समझने के लिए वेदांतसार का सहारा लेते हैं जो कहता है कि अंत:करण और बहि:करण, इंद्रिय निग्रह के दो प्रकार हैं। मन, बुद्धि और अहंकार अंत:करण में समाहित हैं। स्वाभाविक है कि अंत:करण की इंद्रियाँ देखी नहीं जा सकतीं, केवल अनुभव की जा सकती हैं। संकल्प- विकल्प की वृत्ति अर्थात मन, निश्चय-निर्णय की वृत्ति अर्थात बुद्धि एवं स्वार्थ-संकुचित भाव की वृत्ति अर्थात अंहकार। इच्छित का हठ करनेवाले मन, संशय निवारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाली बुद्धि और अपने तक सीमित रहनेवाले अहंकार की परिधि में मनुष्य के अस्तित्व को समेटने का प्रयास हास्यास्पद है।

बहि:करण की दस इंद्रियाँ हैं। इनमें से चार इंद्रियों आँख, नाक, कान, जीभ तक मनुष्य जीवन को बांध देना और अधिक हास्यास्पद है।

सनातन दर्शन में जिसे अपरा चेतना कहा गया है, उसमें निर्वाण षटकम के पहले श्लोक में निर्दिष्ट आकाश, भूमि, अग्नि, वायु, मन, बुद्धि, अहंकार जैसे स्थूल और सूक्ष्म दोनों तत्व सम्मिलित हैं। अपरा प्रकृति केवल जड़ पदार्थ या शव ही जन सकती है। परा चेतना या परम तत्व या चेतन तत्व या आत्मा का साथ ही उसे चैतन्य कर सकता है, चित्त में आनंद उपजा सकता है, चिदानंद कर सकता है। आनंद प्राप्ति में दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। दृष्टिकोण में थोड़ा-सा परिवर्तन, जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लाता है। मनुष्य का अहंकार जब उसे भास कराने लगता है कि उसमें सब हैं, तो यह भास, उसे घमंड से चूर कर देता है। दृष्टिकोण में परिवर्तन हो जाए तो वह धन, पद, कीर्ति पाता तो है पर उसके अहंकार से बचा रहता है। वह सबमें खुद को देखने लगता है। सबका दुख, उसका दुख होता है। सबका सुख, उसका सुख होता है। वह 'मैं' से ऊपर उठ जाता है।

यूँ विचार करें करें कि जब कोई कहता है 'मैं' तो किसे सम्बोधित कर रहा होता है? स्वाभाविक है कि यह यह 'मैं' स्थूल रूप से दिखती देह है। तथापि यदि आत्मा न हो, चेतन स्वरूप न हो तो देह तो शव है। शव तो स्वयं को सम्बोधित नहीं कर सकता। चिदानंद चैतन्य, शव को शिव करता है और जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के शब्द सृष्टि में चेतनस्वरूप की उपस्थिति का सत्य, सनातन प्रमाण बन जाते हैं। इसीलिए कहा गया है, 'शिवोहम्',..मैं शिव हूँ..'मैं' से शव का नहीं शिव का बोध होना चाहिए। यह बोध मानसपटल पर उतर आए तो यात्रा बहुत सरल हो जाती है। यात्रा सरल हो या जटिल, इसमें अभ्यास की बड़ी भूमिका है। अभ्यास के पहले चरण में निरंतर बोलते, सुनते, गुनते रहिए, 'शिवोऽहम।'

बोध कथा

तीन पुतले

महाराजा चन्द्रगुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज़ एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पूछने पर कि क्या नया है; पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखें हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं, दूसरे का मूल्य एक हज़ार मोहरे हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार के उसने सभासदों को पुतले दिये और कहा कि इन में क्या अन्तर है मुझे बताओ। सभासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुत्थी को सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं ताचाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो।

चन्द्रगुप्त के पूछने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है। कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हज़ार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

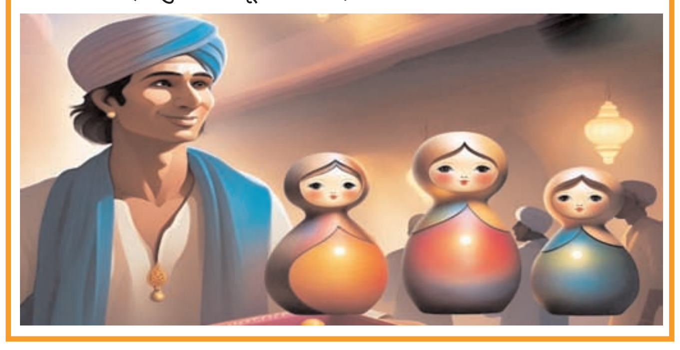

वीर गाथा

परषोत्तम कुमारः किसान के वेश में वीर योद्धा, मोर्चा संभाला और करवा दिया आतंकवादियों का खात्मा

आतंकवाद से लड़ने और उसका खात्मा करने में हमारे सुरक्षा बलों का महान योगदान है। एक सैनिक जब किसी आतंकवादी पर गोली चलाता है, तो उससे पहले कई प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। आतंकवादी कहां छिपा है, किस रास्ते से आएगा, कब आएगा – जैसी महत्त्वपूर्ण सूचनाएं आम नागरिकों के जरिए मिलती हैं। जो नागरिक भारत की एकता, सुरक्षा और अखंडता को कायम रखने के लिए योगदान देते हैं, वे भी देश के योद्धा होते हैं। ऐसे ही एक योद्धा हैं- परषोत्तम कुमार। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के निवासी परषोत्तम ग्राम रक्षा समिति के सदस्य हैं। माता संतोष देवी और पिता प्रेमनाथ के बेटे परषोत्तम पेशे से किसान हैं। इस परिवार के दिल में 'जय जवान' और 'जय किसान', दोनों भावनाएं दृढ़ता से मौजूद हैं। ये लोग धरती को अपनी मां मानकर खेती करते हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर को आतंकवादियों से निजात दिलाने के लिए सुरक्षा बलों का सहयोग करते हैं।

परषोत्तम अगस्त 2023 में ईंधन के लिए लकड़ियां लेने अपने परिवार के साथ जंगल में गए थे। वहां उन्हें दो अनजान लोग नज़र आए। परषोत्तम को शक हुआ कि कहीं ये आतंकवादी तो नहीं हैं?

उन्होंने ध्यान से देखा तो पता चला कि दोनों लोगों के पास बैग और हथियार थे। परषोत्तम ने खतरे को भांपते हुए अपने परिवार को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया और तुरंत सुरक्षा बलों को सूचित कर दिया। इसके बाद वे अपना हथियार ले आए और मोर्चा संभाल लिया। आतंकवादी कहीं भाग न जाएं, इसे ध्यान में रखते हुए परषोत्तम ने उनका पीछा किया।

अब तक आतंकवादियों को भी पता लग चुका था कि कोई उनका पीछा कर रहा है। उन्होंने परषोत्तम को नुकसान पहुंचाना चाहा, लेकिन इसी दौरान सुरक्षा बलों के जवान आ गए और आतंकवादियों को ढेर कर दिया। परषोत्तम कुमार ने जिस तरह वीरता, देशभक्ति और साहस का प्रदर्शन किया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पटना में शनिवार को पटना पहुँचते ही उफनती गंगा नदी के पानी में नाव से उतरते लोग।

हिमाचल प्रदेश के दो भाइयों ने एक ही महिला से की शादी, लुप्त होती बहुपति परंपरा को अपनाया

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के शिलाई गांव में हट्टी जनजाति के दो भाइयों ने बहुपति की प्राचीन परंपरा के तहत एक ही महिला से शादी की। इस अनूठी शादी के कई लोग गवाह बने।

दुल्हन सुनीता चौहान और दूल्हे प्रदीप और कपिल नेगी ने कहा कि उन्होंने बिना किसी दबाव के यह फैसला लिया है।

सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी इलाके में इस विवाह की रस्में 12 जुलाई को शुरू हुई और तीन दिनों तक चली। इस दौरान स्थानीय लोकगीतों और नृत्यों की प्रस्तुति हुई। इस विवाह समारोह के वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हो रहे हैं।

कुन्हाट गांव की रहने वाली सुनीता ने कहा कि वह इस परंपरा से अवगत थीं और उन्होंने बिना किसी दबाव के यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि वह इस नये संबंध का सम्मान करती हैं।

शिलाई गांव के प्रदीप एक सरकारी विभाग में काम करते हैं जबकि उनके छोटे भाई कपिल विदेश में नौकरी करते हैं।

प्रदीप ने कहा, ''हमने सार्वजनिक रूप से इस परंपरा का पालन किया, क्योंकि हमें इस पर गर्व है और यह मिलकर लिया गया एक फैसला था।''

कपिल ने कहा कि वह भले ही विदेश में रहते हों, लेकिन इस विवाह के माध्यम से, ''हम एक संयुक्त परिवार के रूप में अपनी पत्नी के लिए समर्थन, स्थिरता और प्यार सुनिश्चित कर रहे हैं''।

हुर्रियत 'अप्रासंगिक', कश्मीरियों को आगे बढ़ भारत में अपने लिए जगह ढूंढ़नी होगी : बिलाल लोन

श्रीनगर/भाषा। पूर्व अलगाववादी नेता बिलाल गनी लोन ने कहा है कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस अपनी अप्रासंगिकता के लिए खुद जिम्मेदार है और अब वह ''निष्क्रिय अवस्था'' में है। उन्होंने साथ ही जम्मू-कश्मीर में ''गड़बड़ी'' और ''दरार'' पैदा करने के लिए पाकिस्तान की भी आलोचना की।

लोन की टिप्पणी पारंपरिक अलगाववादी रुख से अलग है, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि हुर्रियत और पाकिस्तान दोनों ने क्षेत्र में प्रगति लाने के अवसरों को गंवा दिया है।

पूर्व अलगाववादी के मुताबिक, मुख्यधारा की राजनीति में आने के पीछे की मुख्य प्रेरणा अगली पीढ़ी है। उन्होंने युवा पीढ़ी से इस वास्तविकता को स्वीकार करने का आग्रह किया कि भारत ''बहुत बड़ी शक्ति'' है, जिससे लड़ना संभव नहीं है। लोन ने युवाओं को सलाह दी कि वे देश को राजनीतिक दलों के चश्मे से न देखें, बल्कि देश के भीतर अपने लिए जगह बनाने के लिए ''भारत को भारत के रूप में देखें''।

लोन ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को पिछले 35 वर्षों के बारे में सच्चाई बताई जानी चाहिए क्योंकि उनके पास इस नए राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने के अलावा ''कोई अन्य विकल्प नहीं है'' क्योंकि ''शोषण की राजनीति को रोकना होगा''।

लोन ने 'पीटीआई वीडियो' से विशेष बातचीत में कहा कि 1993 में गठित अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने घाटी में अपनी प्रासंगिकता खो दी है। उन्होंने कहा, ''आज की तारीख में हुर्रियत प्रासंगिक नहीं है। हुर्रियत सक्रिय भी नहीं है। ईमानदारी से कहें तो... जब आप आज की तारीख में हुर्रियत की बात करते हैं, तो वह कश्मीर में कहीं भी मौजूद नहीं है।''

लोन ने स्वीकार किया कि लोगों ने अतीत में हुर्रियत पर अपना भरोसा जताया था, लेकिन मौजूदा सच्चाई उससे अलग है। उन्होंने कहा, ''हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है, क्योंकि हम कदम नहीं उठा सके। उस समय हुर्रियत की अवधारणा अच्छी रही होगी... लेकिन जब हम आज हुर्रियत को देखते हैं, तो वह सक्रिय नहीं दिखती और कहीं न कहीं हुर्रियत लड़खड़ा गई है, इसमें कोई संदेह नहीं है।''

लोन ने पाकिस्तान की भूमिका की भी समान रूप से आलोचना की और कहा, ''हमने कई बयान सुने हैं, लेकिन इनसे से कुछ भी नहीं निकला है।'' उन्होंने कहा कि ''पाकिस्तान को कश्मीर में दरार पैदा करने के बजाय, यहां हालात को बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए।'' उन्होंने इस विचार को खारिज किया कि पाकिस्तान कभी बलपूर्वक कश्मीर ''हासिल'' कर लेगा। उन्होंने इसे ''बेहद मूर्खतापूर्ण विचार'' बताया।

लोन ने अपनी बात स्पष्ट करने के लिए हाल ही में सीमा पर बढ़े तनाव का उदाहरण दिया, जिसमें 48 घंटे तक युद्ध जैसी स्थिति रही। उन्होंने कहा, ''सीमा पर एक इंच भी बदलाव नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा कि कश्मीरियों को अब आगे बढ़ना होगा।

जश्न

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और अन्य लोग शनिवार को जींद जिले के जुलाना स्थित नंदगढ़ गाँव में एक जनसभा के दौरान। रेखा गुप्ता ने अपने पैतृक गाँव नंदगढ़ का दौरा किया और हरियाणा के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अपना जन्मदिन मनाया।

भारत में बहुसंख्यक हिंदुओं के कारण अल्पसंख्यकों को पूरी स्वतंत्रता हासिल हैः किरण रिजीजू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की वजह से भारत में अल्पसंख्यकों को पूर्ण स्वतंत्रता और सुरक्षा हासिल है। उन्होंने कहा कि यह देश अल्पसंख्यकों के लिए सर्वाधिक सुरक्षित जगह है।

'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसा एक भी मामला नहीं मिला है जहां अल्पसंख्यक समुदाय का कोई सदस्य देश में किसी भी चीज से वंचित होने के कारण भारत से पलायन करने की इच्छा रखता हो। उन्होंने ''कांग्रेस पार्टी समर्थित वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र'' पर आरोप लगाया कि वह लगातार यह विमर्श चलाने में लिप्त है कि अल्पसंख्यकों को ''भारत में प्रताड़ित किया जा रहा है, उनका कत्लेआम किया जा रहा है, उनकी पीट-पीटकर हत्या की जा रही है और वे सुरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के विमर्श देश के लिए मददगार नहीं हैं।

अपने पूर्ववर्ती मुख्तार अब्बास नकवी के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर जिसमें उन्होंने मंत्री रहते हुए कहा था कि भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है, रिजीजू ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां ''लोग कानून का पालन करते हैं, हम धर्मनिरपेक्ष हैं, हमारा एक संविधान है, और इसलिए चाहे बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, सभी समान हैं।''

रिजीजू ने शुक्रवार को यहां 'पीटीआई-भाषा' के मुख्यालय में कहा, ''अब यह कहने के बाद, मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि जो कुछ बहुसंख्यक समुदाय को मिलता है, अल्पसंख्यक समुदायों को भी मिलता है, लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जो अल्पसंख्यकों को तो मिलती हैं, लेकिन बहुसंख्यक समुदाय को नहीं मिलतीं।''

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''अगर आप इतिहास को संक्षेप में देखें, तो चीनी कब्जे के कारण तिब्बत में कुछ समस्याएं थीं और तिब्बती भारत आ गए। म्यांमा में कुछ लोकतांत्रिक आंदोलन और समस्याएं थीं और लोकतांत्रिक कार्यकर्ता भारत आए। श्रीलंका में कुछ समस्याएं थीं, श्रीलंकाई तमिल भारत आए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हुआ, वे सभी भारत आए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान से (कई लोग भारत आए)।''

करण वीर मेहरा को मिलेगा 'डॉन 3' में विलेन का रोल!

मुंबई,। अभिनेता और 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा को मशहूर निर्माता कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। खबर है कि करण को आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में खलनायक की भूमिका में लेने के लिए विचार किया जा रहा है। यह रोल पहले विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद यह मौका करण को मिल सकता है। इंडस्ट्री के एक करीबी सूत्र ने बताया, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में फिल्म 'सिला' से उनका फर्स्ट लुक सामने आया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ऐसे में उन्हें 'डॉन 3' में विलेन रोल के लिए अप्रोच किया जा सकता है।

फरहान अख्तर निर्देशित 'डॉन 3' इस लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज की संभावना दिसंबर 2026 तक है। यह फ्रेंचाइजी 1978 में बनी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'डॉन' से शुरू हुई थी। इसके बाद 2011 में इसके रीमेक 'डॉन: द चेज़ बिगिन्स' में शाहरुख खान लीड एक्टर के तौर पर नजर आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वर्तमान में 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी दमदार फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर उमंग कुमार निर्देशित 'सिला' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह 'जहराक' नाम के विलेन का खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें वह खून से लथपथ, लंबे उलझे बाल और हाथ में तलवार लिए नजर आए। इस लुक को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ!' इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि सादिया फिल्म 'रक्षा बंधन' में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी।

'सिला' को जी स्टूडियोज की ओर से दिखाया जायेगा। इसे ब्लू लोटस पिक्चर्स और स्टार्क एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। साथ ही इनोवेशन्स इंडिया भी इस फिल्म में जुड़ा है। 'डॉन 3' में करण वीर मेहरा की एंट्री दर्शकों के लिए एक नया रोमांच लेकर आ सकती है। फैंस फिल्म से जुड़ी आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं।

गीता दत्त की गायकी में छलकते थे जज्बात, दीवानी थीं लता मंगेशकर

मुंबई/एजेन्सी

गायकी सिर्फ सुर और ताल का खेल नहीं होती, बल्कि यह दिल से जुड़े एहसास का रूप होती है। जब कोई गायक अपनी आवाज में दिल की सच्ची भावनाएं डालता है, तो उसका गीत सीधे हमारे दिल तक पहुंच जाता है। गीता दत्त ऐसी ही गायिका थीं, जिनकी आवाज में सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि उनके जज्बात भी छलकते थे। उनकी आवाज में एक खास तरह का दर्द, प्यार और खनक होती थी, जो सुनने वाले को अंदर तक छू जाती थी। यही वजह थी कि उस दौर की सबसे बड़ी गायिका लता मंगेशकर भी उनकी गायकी की दीवानी थीं। लता मंगेशकर ने कई बार कहा था कि गीता दत्त एक खास तरह की गायिका हैं, जिनकी गायकी में एक अलग ही प्यार और जुड़ाव था, जो उन्हें बहुत पसंद आता था। उन्होंने अपनी किताब 'लता सुर गाथा' में भी गीता दत्त का जिक्र किया था और उन्हें नेकदिल लड़की बताया था। अपनी किताब में उन्होंने उस पल को बयां किया, जब उन्हें गीता दत्त के निधन की खबर मिली थी।

किताब के जरिए लता मंगेशकर ने कहा, ''गीता दत्त को क्या हुआ कि मुझे मालूम ही नहीं चल सका कि उसकी मृत्यु हुई है। ताज्जुब की बात तो यह थी कि मुझे सलिल चौधरी जी का फोन आया और उन्होंने कहा, 'लता, तुम तुरंत चली आओ, गीता के साथ ऐसे-ऐसे हुआ है।' मुझे एकाएक धक्का लगा और मैं जब गई तो वे मुझे गीता के अंतिम दर्शन कराने लेकर गए। गीता से मेरी बहुत पटती थी और वह बहुत नेकदिल लड़की थी, इसलिए उसका अचानक यूं चले जाना कहीं भीतर निराश कर गया।''

गीता दत्त और लता मंगेशकर की पहली मुलाकात फिल्म 'शहनाई' के एक गाने 'जवानी की रेल चली जाय रे' की रिकॉर्डिंग के दौरान हुई थी। इस गाने में सुरों की दो रानियों ने अपनी मधुर आवाज दी थी। अपनी किताब में लता मंगेशकर ने गीता दत्त से जुड़ी एक दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने बताया कि गीता दत्त का बोलने का तरीका पूरी तरह बंगाली था, जैसे बंगाल के लोग हिंदी बोलते हैं, वैसे ही। लेकिन जैसे ही गीता माइक के सामने आतीं, मानो कोई जादू हो जाता। उनका लहजा बदल जाता, उच्चारण बिल्कुल साफ-सुथरा हो जाता, और हिंदी इतनी सटीक हो जाती कि कोई सोच भी नहीं सकता कि ये वही बंगाली लड़की है जो अभी तक तो बंगालीनुमा हिंदी बोल रही थी। उनके इस अनोखे अंदाज के चलते लता उनकी दीवानी थीं। 23 नवंबर 1930 को फरीदपुर (जो अब बांग्लादेश में है) में जन्मी गीता दत्त को बचपन से ही संगीत से खासा लगाव था। जब उनका परिवार कोलकाता से मुंबई आया, तब उनकी उम्र करीब 16 साल थी। यहीं से उनके संगीत सफर की शुरुआत हुई।

ओटीटी से पहले टीवी पर आ रही है 'कंगुवा'

मुंबई/एजेन्सी

तैयार हो जाइए एक ऐसी दुनिया में कदम रखने के लिए, जो जितनी भव्य है, उतनी ही दिल दहला देने वाली भी है। कंगुवा-पुनर्जन्म, बदले और जुनूनी जज़्बातों की वह दास्तान है, जहाँ कबीलों की टक्कर, योद्धाओं का जुनून और सदियों पुराने वादों का एक जोरदार मेल देखने को मिलेगा। समय के इस चक्र में देखिए सूर्या को एक ऐसे अवतार में, जैसा आपने पहले कभी नहीं देखा होगा और बॉबी देओल को एक खतरनाक, अप्रत्याशित विलेन के रूप में, जिसमें वे पूरी तरह बदले हुए अंदाज़ में नज़र आते हैं। दमदार परफॉर्मेंस, हैरतअंगेज़ विजुअल्स और जबर्दस्त ट्रांसफॉर्मेशन से भरी यह फिल्म ओटीटी से पहले टीवी पर धमाल मचाने आ रही है। तो तैयार हो जाइए इस बेमिसाल वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के लिए, रविवार 20 जुलाई, रात 8 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर। सुपरहिट फिल्मों 'विश्वासम' और 'वेदालम' के निर्देशक शिवा की यह मेगा फिल्म कंगुवा आपको एक ऐसी अनोखी दनिया में ले जाती है, जहाँ हर डिटेल का अपना एक मकसद है।

हर कबीले की संस्कृति, उनके रीति-रिवाज़, पहनावे से लेकर उनके हथियारों तक, सब कुछ इतनी खूबसूरती से गढ़ा गया है कि ये प्राचीन होते हुए भी पूरी तरह आपको अपनी दुनिया में खींच लेते हैं। दो जन्मों की कहानी को बड़ी ही खूबसूरती से बयाँ करती कंगुवा का हर सेट, हर दृश्य और हर मोड़ आपको एक जज़्बाती और जबर्दस्त अनुभव देता है। अपनी थिएटर रिलीज़ पर इस फिल्म ने दुनिया भर के दर्शकों को चौंका दिया था और बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई की थी।

और अब, टीवी दर्शकों के लिए यह अनुभव फिर से लौट रहा है और तो और इस बार और भी ज्यादा असरदार अंदाज़ में। जब एक निडर योद्धा करता है ऐसा वादा, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता, तब शुरू होती है एक गाथा, जो जन्मों तक गूँजती है। दो टाइमलाइन्स को जोड़ने वाली यह कहानी बताती है कि कैसे सदियों पुराने एक महान योद्धा और एक छोटे-से बच्चे की कड़ी एक रहस्यमय मोड़ पर आकर आज के समय में फिर जुड़ती है। सवाल उठता है कि क्या जन्मों के पार जाकर किस्मत खुद को फिर से लिख सकती है?

'द गर्लफ्रेंड' में काम कर गदगद हुए धीक्षित शेट्टी

चेन्नई। एक्टर धीक्षित शेट्टी की हालिया परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। निर्देशक राहुल रविंद्रन की मोस्ट-अवेटेड फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के पहले गाने 'नाधिवे' में धीक्षित के डांस परफॉर्मेंस को खूब सराहना मिल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर टीम का आभार जताया। शनिवार को धीक्षित ने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखकर को-स्टार रश्मिका मंदाना का आभार जताया। धीक्षित ने गाने के सेट से तस्वीरें और बिहाइंड-द-सीन वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पता नहीं कहां से शुरू करूं। इतने बड़े सेट पर पहली बार डांस करना मेरे लिए यादगार अनुभव था। यह एक छोटा, लेकिन शानदार रोलर-कोस्टर सफर रहा। उन्होंने निर्देशक राहुल रविंद्रन और निर्माताओं विद्या कोप्पिनीदी, धीरज मोगिलिनेनी और गीता आर्टर्स को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, राहुल सर ने हमेशा कुछ नया सोचा और हम पर भरोसा जताया। निर्माताओं का पूरा समर्थन रहा, इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

धीक्षित ने कोरियोग्राफर विश्व किरण नंबी और उनकी टीम श्रीजनी राव और तेजस गौड़ा की तारीफ की, जिन्होंने मुश्किल मूव्स को भी आसान बना दिया। रश्मिका के लिए उन्होंने लिखा, मेरी शानदार को-स्टार रश्मिका, मुझ पर भरोसा करने के लिए आपको धन्यवाद। शानदार मूव्स करना आसान नहीं था।

लेकिन, आपने इसे इतनी खूबसूरती से किया। आप स्टार हो और सच्ची प्रेरणा। उन्होंने फिजियो गायत्री शेट्टी को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण शूट के दौरान उनकी और रश्मिका की थकान और चोटों को ठीक किया। धीक्षित ने बताया कि 'नाधिवे' ने 1 करोड़ से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं। उन्होंने कहा, आपके प्यार ने इस गाने को अपना बना लिया। इसके लिए मैं आभारी हूं। 'द गर्लफ्रेंड' का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है, जबकि इसका संगीत हेशम अब्दुल वहाब ने दिया है और सिनेमाटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है।

मैं काम में स्पष्टता और विजन से समझौता नहीं करती : तनीषा मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने बताया कि वह पहले की तुलना में अब प्रोजेक्ट्स का चुनाव करने में सतर्क हो चुकी हैं। अब वह ऐसे काम करना चाहती हैं, जहां स्पष्टता और नया नजरिया दोनों हों। तनीषा ने करियर में की गई गलतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि अब वह केवल उन प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट विजन और पैशन दोनों हों। तनीषा ने कहा, एक कलाकार के रूप में हम अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करते हैं। कभी यह सही होता है, तो कभी गलत। मैंने भी अपने करियर में कई गलतियां की हैं। लेकिन, आत्ममंथन और अनुभव से मैंने सीखा है कि पुरानी गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। पहले मैं लोगों के विजन पर भरोसा कर उनके साथ काम कर लेती थी। लेकिन, कई बार यह भरोसा मुझे भारी पड़ा और मैं निराश हुई। अब मैं समय और एनर्जी केवल उन प्रोजेक्ट्स में लगाना चाहती हूं, जहां पूरी स्पष्टता हो।

तनीषा ने कहा, लोगों पर भरोसा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना अच्छा है, लेकिन अगर यह आपके काम और विश्वसनीयता की कीमत पर हो, तो यह समझदारी नहीं। अब मैं केवल उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनके पास स्पष्ट विजन और ज्ञान हो। वे चाहे अनुभवी हों या नए, लेकिन उनका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

तनीषा का मानना है कि आज के कई नए निर्देशक सिनेमा का गहन अध्ययन करते हैं और पूरी तैयारी के साथ आते हैं। वे कहती हैं, पहली बार फिल्म बनाने वाला निर्देशक भी शानदार काम कर सकता है, बशर्ते उसने अपना होमवर्क अच्छे से किया हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा नई संभावनाओं को तलाशना चाहती हूं और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं। लेकिन, अब मैं उन लोगों के साथ काम नहीं करूंगी, जो अभी भी 'खोज' रहे हैं।

उनके लिए अब दो चीजें ऐसी हैं, जिसे लेकर वह समझौता नहीं कर सकती और वह हैं स्पष्टता और विजन। तनीषा ने कहा, अनुभव से आप समझ जाते हैं कि कौन स्पष्टता के साथ आ रहा है और कौन नहीं। मैं अब उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जो पैशन और स्पष्ट नजरिए के साथ प्रोजेक्ट बनाते हैं, न कि सिर्फ फिल्म बनाने के लिए। आजकल लोग दूसरों की नकल करने में लगे हैं, लेकिन मैं कॉपीकैट्स के साथ काम नहीं करना चाहती। मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनमें पैशन, स्पष्टता और अपना नजरिया हो।

'इलाका' सीरीज में कैसा होगा अपूर्वा अरोड़ा का किरदार ? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा जल्द ही नई वेब सीरीज 'इलाका' में अविवा का किरदार निभाती नजर आएंगी। 'इलाका' सीरीज में अविवा साउथ बॉम्बे की एक अमीर लड़की है। वह एक ऐसे लड़के से प्यार कर बैठती है जो मुंबई के चॉल में रहता है। वह लोगों को उनके परिवार, पैसे या समाज में उनकी स्थिति से नहीं देखती। वह हर किसी को उनकी असली पहचान, उनके दिल और उनके अच्छे गुणों से देखती है। वह प्यार और इंसानियत को सबसे ऊपर रखती है। अपूर्वा ने कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता एक ऐसी उम्मीद की किरण बन जाता है जो प्रेम कहानियों में खुशियों की रोशनी लेकर आता है।

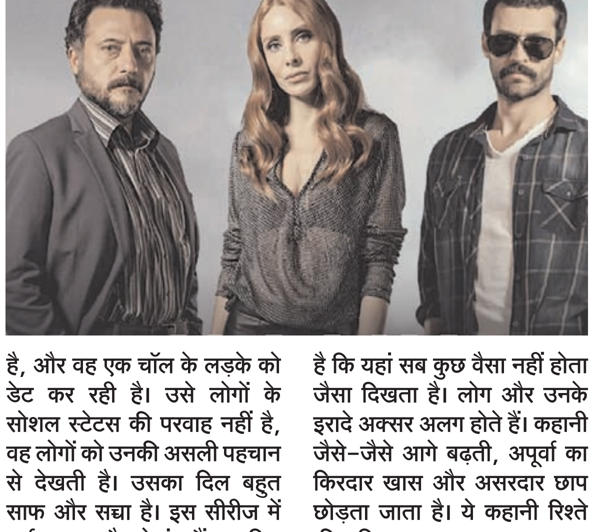

उन्होंने कहा, ''अविवा बहुत अमीर लड़की है जो साउथ बॉम्बे से है, और वह एक चॉल के लड़के को डेट कर रही है। उसे लोगों के सोशल स्टेटस की परवाह नहीं है, वह लोगों को उनकी असली पहचान से देखती है। उसका दिल बहुत साफ और सच्चा है। इस सीरीज में कई रहस्य और रोमांच हैं, इसलिए मैं कहानी के बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, लेकिन अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता इस मुश्किल दुनिया में खुशियां लेकर आता है।'' हाल ही में मेकर्स ने सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें दिखाया गया है कि यहां सब कुछ वैसा नहीं होता जैसा दिखता है। लोग और उनके इरादे अक्सर अलग होते हैं। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती, अपूर्वा का किरदार खास और असरदार छाप छोड़ता जाता है। ये कहानी रिश्ते की जटिलता, प्यार, तनाव, टकराव और रहस्य से भरी हुई है। अपूर्वा ने अक्षय कुमार की फिल्म 'हॉलिडे' में उनकी बहन का किरदार निभाया था। इसके अलावा, वह परेश रावल और अक्षय कुमार की फिल्म 'ओ माय गॉड' का भी हिस्सा रहीं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यक्ति की यात्रा विकसित होने के साथ परम लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा है। सत संगति से सुमति की प्राप्ति होती है और इसी के अनुसार व्यक्ति सफल होने लगता है। अपने सद्गुरु के मार्गदर्शन में भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति करें। जब तक व्यक्ति के जीवन में गति संतुलन नहीं है तब तक वह प्रगति करना सम्भव नहीं है। व्यक्ति संसार में रहते हुए भी उसकी प्रेरणा की ज्योति बुझ जाने पर उस भावना को छोड़ देता है जिससे उसकी प्रगति रुक जाती है।

केजीएफ में तप अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ । शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तप अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि हम सब ने भैक्षव शासन कल्प तरु की ठण्डी छाया पाई है व महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की अजब ग़ज़ब पुण्यमयी है कि हमें ये धर्म संघ मिला। इस मौके पर बड़ी संख्या में तप करने वाली तपस्वियों ने साध्वीश्री के दर्शन किए। सभा के पदाधिकारियों ने तपस्वियों की तप की अनुमोदना की। गीत के माध्यम से साध्वी रम्यप्रभाजी व तपस्वियों की तप की अनुमोदना की गई।

साध्वी दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के नेतृत्व में गच्छगणिनी साध्वी सुलोचनाश्रीजी, सुलक्षणा श्रीजी के दर्शन वन्दन हेतु हैदराबाद पहुंचे। पदाधिकारियों ने साध्वीश्री के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया। गुरु दर्शन यात्रा संघ में अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, धर्मेंद्र संकलेचा, मोतीलाल ललवानी, कैलाश संकलेचा, सज्जनसिंह खटोड़, राकेश डाकलिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवरीलाल गुलेच्छा, वीरचंद चौपड़ा, रमेश धारीवाल के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मोर्सवीरमठ में रक्तदान मोबाइल वैन का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली के मोर्सवीरमठ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा राष्ट्रोत्थान रक्त केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में कर्नाटक बैंक द्वारा सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत दान की गई मोबाइल रक्तदान वैन का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर मठ के जगद्गुरु श्री राजयोगींद्र महास्वामीजी आरएसएस के व्यवस्था प्रमुख मंगेश भेंडे, कर्नाटक बैंक के उच्च अधिकारी ईरन्ना नागराल, भवन दानदाता वीरेंद्र चेड्डा सहित सामाजिक कार्यकर्ता विनोदकुमार पटवा आदि उपस्थित थे। मोबाइल वैन में अनेक युवाओं ने रक्त का दान दिया।

‘पुण्य प्रवृत्ति करने से पहले पाप प्रवृत्ति को छोड़ने का ध्येय होना चाहिए’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भगवान महावीरस्वामी के सिद्धांत जाति-वर्ग के भेद, प्रांतवाद, भाषा विवाद आदि का समर्थन नहीं करते। जैनशास्त्रों का निर्देश है कि हर वर्ग की सुख-शांति और उन्नति का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए। हर जीव को उसकी योनि, जाति या वर्ग के आधार पर नहीं, आत्मा के आधार पर देखा जाना चाहिए। आत्म धरातल पर ही सबके साथ उचित व्यवहार होना चाहिए। तीर्थंकर महावीरस्वामी ने वर्ण व्यवस्था से परे सभी को अपने पास दीक्षित किया था। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि लोगों को अज्ञानता, अंधविश्वास, व्यसन, हिंसा और कुरीतियों से मुक्त करना मानवता का महान् कार्य है। ऐसा किए बिना लोक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की स्थापना नहीं होगी। इसके लिए प्रबुद्ध और समझदार लोगो को आगे आकर जन-जन को ज्ञानदान देकर लोक जागरण का ध्येय सिद्ध करना चाहिये। गांव-गांव, घर-घर सभी को धर्म के सिद्धांतों की पवित्र और कल्याणकारी बातें समझाकर उनके जीवन को उन्नत बनाने का प्रयास करना चाहिये। यह धर्मांतरण नहीं, जीवन दिशा के परिवर्तन के रूप में होना चाहिए। इसी प्रकार जनसामान्य की दशा बदल सकती है। अपने तक सीमित रहना स्वार्थपरक मानसिकता है, जबकि सबके के कल्याण की सोचना परमार्थ धर्म है। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र को संबोधित करते हुए गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि पुण्य प्रवृत्ति करने से पहले पाप प्रवृत्ति को छोड़ने का ध्येय होना चाहिए। जिस वस्तु का दुरुपयोग किया जाता है, वह हमारे लिए दुर्लभ बन जाती है। इसलिए हर वस्तु का सदुपयोग करने का लक्ष्य होना चाहिए किसी भी चीज को बर्बाद नहीं करना चाहिये। जागतिक व्यवस्थाओं के लिये भी आवश्यक है। जैन संघ के निर्मल पारेख ने बताया कि शनिवार को कषाय जय तप की साधना में सभी चार सौ तपस्वियों ने निराहार उपवास, मंत्रजाप, देववंदना आदि किए। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि रविवार को प्रातः नौ बजे यहां दूसरा जागरण सेमिनार आयोजित हो रहा है।

दूसरा जागरण सेमिनार आज

जैन कॉन्फ्रेंस युवाओं ने राजाजीनगर में आयोजित किया सामायिक दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांतीय युवा शाखा द्वारा शनिवार को महासती निर्मलाजी सान्निध्य में राजाजीनगर स्थानक भवन में सामायिक दिवस का आयोजन चेयरमैन राकेश लोढ़ा, कोचेयरमैन मनोज बोहरा की उपस्थिति में हुआ। सामायिक दिवस कार्यक्रम का विषय 'युवा के लिए, आत्मचिंतन का समय, सामायिक के संग'तथा रील्स नहीं, रियल ज्ञान सामायिक स्वाध्याय है असली प्लान' था। कार्यक्रम का आयोजन राजाजीनगरसंघ एवं युवा मंडल के तत्वावधान में किया गया। युवा अध्यक्ष आशीष कुमार भंसाली एवं महामंत्री किशोर बाफना ने शुभकामनाएं दी। युवा प्रचार प्रसार मंत्री यश बाफना ने बताया कि इस अवसर पर कर्नाटक प्रांतीय पदाधिकारियों सहित अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रांतीय युवा महामंत्री किशोर बाफना ने संचालन किया।

गति में संतुलन नहीं तो प्रगति संभव नहीं है : सुधांशु महाराज

आज श्रीधाम आश्रम में होगा एक दिवसीय भक्ति सत्संग महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में जयनगर के पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में अमृत ज्ञान वर्षा के तीसरे दिन शनिवार को अपने भक्तों को संबोधित करते हुए श्रद्धेयश्री सुधांशुजी महाराज ने कहा कि व्यक्ति की यात्रा विकसित होने के साथ परम लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा है। सत संगति से सुमति की प्राप्ति होती है और इसी के अनुसार व्यक्ति सफल होने लगता है। अपने सद्गुरु के मार्गदर्शन में भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति करें। जब तक व्यक्ति के जीवन में गति संतुलन नहीं है तब तक वह प्रगति करना सम्भव नहीं है। व्यक्ति संसार में रहते हुए भी उसकी प्रेरणा की ज्योति बुझ जाने पर उस भावना को छोड़ देता है जिससे उसकी प्रगति रुक जाती है। महाराजश्री ने कहा कि श्रद्धा में जब कमी होती है तब गुरु कृपा प्राप्त नहीं होती है। प्रत्येक भक्त को हमेशा अपने गुरु के प्रति अट्ट विश्वास और श्रद्धा होनी चाहिए। सुधांशुजी ने कहा कि अपने माता पिता को भगवान के रूप में देखें और उनका सम्मान करें। घर परिवार में जब व्यक्ति सम्मान पाता है तब जाकर बाहरी दुनिया में भी सम्मान मिलता है। उन्होंने समय के बारे में बोलते हुए कहा कि वक्त के पास इतना वक्त नहीं है कि वह आपको दुबारा वक्त दे सके। जो समय मिला है उसका ठीक से उपयोग करने से किस्मत बदलती है। इस अवसर पर विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु मण्डल के प्रधान आदित्य टांटिया को सनातन संस्कृति जागरण के कार्यों को देखकर परम पूज्य महाराजश्री ने 'धर्म गौरव अलंकरण' से सम्मानित किया। सुबह के सत्र में आचार्यश्री के सान्निध्य में ध्यान साधना सत्र का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लिया।

आचार्यश्री ने कहा कि स्वस्थ शरीर में मन व आत्मा बसती है। यह देश ऋषिमुनियों का देश है। परमात्मा के निकट जाने की विधि ध्यान द्वारा ही संभव है। ध्यान में बैठकर आप अनेक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। जरूरत है ध्यान को साधने की। शांत मस्तिष्क वाला व्यक्ति संतुष्ट रहता है।

संयोग और वियोग कर्म की धरोहर है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी के सान्निध्य में चल रहे चातुर्मास में आचार्यश्री ने कहा कि संयोग और वियोग कर्म की धरोहर है। उन्होंने कर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि हमारे जीवन में कभी एकरुपता नहीं रहती, कभी हम खुश रहते है तो कभी हम खिन्न हो जाते है। कई बार हमें शांति रहती है,तो कई बार अशांति आ जाती है कई क्षणों में हमें फक्र महसूस होता है तो कभी हम फिक्र में डूब जाते है, कभी आनंद तो कभी अवसाद, कभी आशा तो कभी निराशा,कभी सुःख तो कभी दुःख, कभी शांति कभी अशांति जो कुछ भी घट रहा है वह मात्र महज संयोग है तथा कर्म की धरोहर है। जो पाया है वह भी तेरा नहीं जो खोया है वह भी तेरा नहीं,ऐसी आध्यात्मिक दृष्टि मानकर चलोगे तो पाने में सुख और खोने में दुःख महसूस नहीं होगा। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन का हर संयोग वियोग मय है, जो आया है तो वह जाएगा जो इस सत्य को जो पहचान लेता है। अनूकूलता और प्रतिकूलता दोंनों ही क्षण भंगुर है। संयोग-वियोग कर्म की धरोहर है। कर्म कहता है तुम इसका उपयोग करो दुरुपयोग मत करना। आचार्यश्री ने कहा कि जैन धर्म में, विनय एक ऐसा गुण है जो संयोग और वियोग दोनों में ही महत्वपूर्ण है। यह हमें आत्मसाक्षात्कार और मोक्ष की प्राप्ति के लिए आवश्यक है। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

जिनवाणी श्रवण से हम मन को काबू में कर सकते हैं : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि मन बंदर की तरह चंचल होता है। यह मन की प्रकृति है। मन की गति को कोई माप नहीं सकता है और मन से ही सबसे ज्यादा पुण्य और पाप भी होते हैं्। यह मन धर्म स्थान पर पाप कर सकता है तो पाप के स्थानों पर पुण्य का बंध करने में भी सक्षम है। जिनवाणी श्रवण से हम मन को काबू में कर सकते हैं क्योंकि जिनवाणी ही हमें जागरूक रखती है। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि मनुष्य भव दिव्य और तीर्थ भूमि है। इसे हम निंदा विकथा के कचरे से गंदी न करें्। प्रभु का शासन सौभाग्य से मिलता है। समझदार इस भव में अगले भव की तैयारी कर लेता है। प्रभु की वाणी हम सुने, समझे, गुणगान करते हुए आचरण में लाएं। जब जब भी प्रभु की वाणी सुनने का अवसर मिले, तब तब खूब अहो भाव से सुने और स्वयं को धन्य माने। सांसारिक सौभाग्य तो अनित्य है। प्रभु की वाणी ही हमारा सौभाग्य है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि रविवार को 'घर कैसे स्वर्ग बने' विषय पर प्रवचन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

सफल होने के लिए मन में उत्साह होना जरूरी : साध्वी मयूरयशाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने धर्मरत्न प्रकरण का वाचन करते हुए क्षुद्र व्यक्ति की पहचान बताई। जो व्यक्ति अहंकारी हो और जो अज्ञानी हो वह व्यक्ति क्षुद्र है। रूपवान गुण का वर्णन करते हुए साध्वीजी ने कहा कि जिसके सर्व अंग अंगोपांग और पांचों इंद्रिय सम्पूर्ण है और जो उनका सदुपयोग करता है वह रूपवान है। सिर्फ पांच इंद्रियों वाला मनुष्य ही धर्म करने के योग्य है। इंद्रिय में कमी वाले इंसान से भी जो इंसान मिली हुई इंद्रियों का सही उपयोग नहीं करता है, उसकी स्थिति दयनीय है। सद्गति का रास्ता सिर्फ मानव भव में ही है। इंद्रियों का दुरुपयोग दुर्गति की ओर ले जाता है। हमें कोई भी कार्य करना हो, सफल होना हो तो मन को उत्साह से भरना होगा, चाहे व्यापार हो, गृह कार्य हो, परीक्षा हो। उत्साह का मतलब उमंग, साहस और हिम्मत है। शांत सुधारस ग्रन्थ का वाचन करते हुए साध्वी चैतन्य यशाश्री जी ने कहा कि संसार, सम्पत्ति, समृद्धि, यौवन, रूप सब अनित्य है।

जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योरस् समूह की मासिक बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योरस् समूह की मासिक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें 25 सदस्याओं ने भाग लिया। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबिता रायसोनी और मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने शुभकामनाएं दी। निधि पालरेचा ने कहा कि यह केवल व्यवसाय का नहीं, आत्मनिर्माण और आत्मविश्वास का मंच है।

निशा कोठारी, जो समूह प्रमुख निशा कोठारी ने सभी का स्वागत किया। बैठक में विभिन्न सदस्याओं ने 30-सेकंड बिज़नेस पिच गतिविधि की। गिफ्टिंग पार्टनर तृप्ति जैन ने अपनी ओर से उपहार भेंट किए्। साथ ही चेतना, रेखा और कनक को उनके विशेष योगदान के लिए स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। बैठक के अंत में अगले ऑफिस दर्शन कार्यक्रम की घोषणा की गई।

टीपीएफ वेस्ट ने ‘मिशन दृष्टि’ के अंतर्गत 10 क्षेत्रों में लगाए नेत्र जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ)वेस्ट शाखा ने टीपीएफ राष्ट्रीय शाखा के निर्देशानुसार मेगा नेत्र जांच शिविर मिशन दृष्टि का आयोजन किया। इस मेगा शिविर के अंतर्गत केंगेरी ज्ञानबोधिनी हायर स्कूल ज्ञानबोधिनि प्राइमरी स्कूल, हम्पीनगर के एसएलआर स्कूल, केआर रोड स्थित बीबीयूएल जैन विद्यालय, राजाजीनगर स्थित इस्ट वेस्ट अकादमी, राजाजीनगर के चर्च पार्क इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल,, मरेनहल्ली स्थित कर्नाटक पब्लिक स्कूल, उदय कंपोजिट पीयू कॉलेज सहित 10 से अधिक स्थानों पर नेत्र जांच शिविर लगाया गया ।मुख्य उद्घाटन समारोह हम्पीनगर स्थित एसएल आर पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ जिसमें साध्वी संयमलता जी ने विद्यार्थियों को आई एक्सरसाइज, ब्रेन शार्प एक्सरसाइज एवं अर्हम् ध्वनि साधना का अभ्यास करवाया गया। साध्वीश्रीजी ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें पढ़ाई में मन लगाकर मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग न करने का सुझाव दिया। टीपीएफ के अध्यक्ष ललित बेगानी ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर विभिन्न सहयोगी व चिकित्सा टीम ने सहयोग दिया। सचिव कौशल खटेड़ ने संचालन करते हुए सभी स्कूलों के प्राचार्यों, डॉक्टर टीम और स्वेच्छा से योगदान देने वाले टीपीएफ सदस्यों को धन्यवाद दिया।

‘गुरु ही जीवन को अनमोल बनाने की कला सिखाते हैं’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर जैन स्थानक भवन में विराजित साध्वीश्री कंचनकंवरजी के सान्निध्य में आनंदगुरू जन्मोत्सव के अंतर्गत साध्वी अणिमाश्रीजी ने कहा कि जीवन में माता-पिता का महत्व है, उससे भी अधिक बढ़कर 'गुरु' का महत्व है। माता-पिता अपने संतान के सुख से रहने, सुविधा, साधनों की उपलब्धि करा देते है। इस जन्म तक सीमित है माता-पिता, परन्तु गुरू भव भव को सुधार देते है। सिद्धालय तक पहुंचाने का सामथर्य प्रकट कर देते है। बीज को यदि कुशल, अनुभवी माली के हाथ के जल से सिंचन नहीं मिलता है तो वह बीज जल जाता है। नष्ट हो जाता है। गुरु ही जीवन को अनमोल बनाने की कला सिखाते हैं। गुरू शिल्पकार, कुंभकार है। गुरु उपर से कठोर होते हैं, लेकिन शिष्य को,अपने अनुयाई मुकाम तक पहुंचाने सरल सुगम मार्ग बताते है।साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि आनंद ऋषि भी पूर्णरूपेण गुरु चरणों में समर्पित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं स्वागत संघ के मंत्री पदम्चंद बोहरा ने किया ।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com